www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 70 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
01 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:11
सूर्यास्त: 06:57
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार: नाजुक आर्थिक दौर में ... >>पेज 04 | वृंदावन की गलियां श्रद्धालुओं ... >>पेज 06 | 'मुझे नहीं लगता कि वो सुसाइड था'...

सिर्फ भारत ने हमारे इलाके नहीं कब्जाए, लिपुलेख पर ब्रिटेन मध्यस्थ बने

हमने भी भारतीय जमीन पर कब्जा किया : बालेन शाह

शाह ने कहा कि लिपुलेख विवाद ब्रिटिश भारत के समय से जुड़ा है। इसलिए नेपाल ने इस मामले पर सिर्फ भारत और चीन ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन से भी बातचीत की है। काठमांडू का मेयर रहते हुए बालेन शाह ने ग्रेटर नेपाल का नक्शा अपने ऑफिस में लगाया था।

इसमें हिमाचल के पश्चिमी कांगड़ा से लेकर पश्चिम बंगाल में पूर्वी तीस्ता के एरिया को ग्रेटर नेपाल का हिस्सा बताया गया है।

जानकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। बालेन पीएम बनने के 2 महीने बाद पहली बार नेपाली संसद को संबोधित कर रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहली बार संसद को संबोधित किया

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को नेपाल की संसद को संबोधित किया है। इस साल मार्च में हुए चुनावों के बाद सत्ता संभालने के बाद यह पहला मौका है, जब नेपाल के प्रधानमंत्री शाह ने संसद में अपनी बात रखी है।

दरअसल, विपक्षी दलों के सांसद लगातार मांग कर रहे थे कि प्रधानमंत्री संसद में आकर देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखें।

इसके बाद बालेन शाह ने संसद को संबोधित किया और सांसदों के सवालों के जवाब दिए।

नेपाल भारत के इस हिस्से पर दावा करता है

नेपाल का दावा | भारत की सीमा

4 घटनाएं जिसने भारत-नेपाल के रिश्ते पर असर डाला

1. लिपुलेख दर्रे से मानसरोवर यात्रा पर आपत्तिः भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के फैसले पर बालेन शाह प्रशासन ने सख्त आपत्ति जताई। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोहराया कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा नेपाल का अभिन्न अंग हैं।

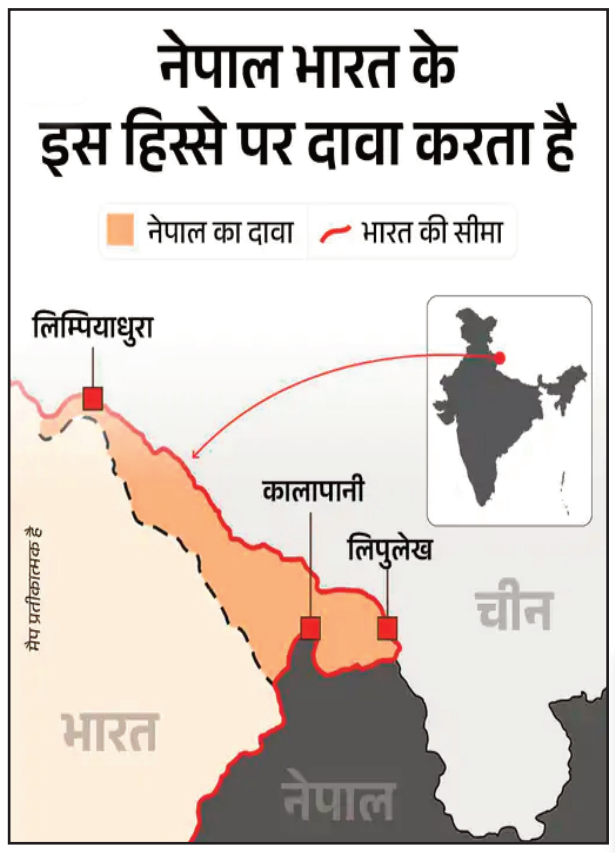

2. भारतीय विदेश सचिव को मिलने का समय न देनाः मई 2026 में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री नेपाल के दौरे पर जाने वाले थे, ताकि वे प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से बालेन शाह को भारत आने का आधिकारिक न्योता दे सकें। लेकिन पीएम बालेन शाह ने भारतीय विदेश सचिव को मुलाकात का समय देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण भारत को यह दौरा टालना पड़ा।

3. भारतीय राजदूत से अलग से शिष्टाचार मुलाकात न करनाः नेपाल में जब भी कोई नई सरकार बनती है, तो परंपरा के अनुसार वहां के नए पीएम भारतीय राजदूत से अलग से शिष्टाचार मुलाकात करते हैं। हालांकि, बालेन शाह ने भारतीय राजदूत से अलग मिलने के बजाय सभी विदेशी राजदूतों से एक साथ (सामूहिक रूप से) मुलाकात की। इससे नई दिल्ली को यह संदेश गया कि उनकी सरकार भारत को कोई विशेष या पारंपरिक तरजीह नहीं देना चाहती।

4. पहले वर्ष कोई विदेशी दौरा न करने की नीतिः नेपाल में आम तौर पर परंपरा रही है कि पद संभलाने के बाद प्रधानमंत्री भारत का दौरा करते हैं। लेकिन बालेन ने कार्यभार संभालते ही यह घोषणा कर दी कि वे अपने कार्यकाल के पहले वर्ष किसी भी देश के आधिकारिक दौरे पर नहीं जाएंगे।

> **"भारत-नेपाल की सरकारें मिलकर इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और इलाके के विशेषज्ञों की टीमें बनाएगी, जो बातचीत के जरिए विवाद का हल निकालेगी।**
> **हमने इस पर यूके की सरकार से भी बातचीत की है। उनको इसमें दखल देनी चाहिए क्यों भारत में ब्रिटिश राज के समय ही ये सीमा विवाद शुरू हुए थे।**
> — बालेन शाह

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सनातन संस्कृति में वृक्षों, पहाड़ों, नदियों और प्राणियों की पूजा की परंपरा रही है। वेदों में प्रकृति की पूजा को साक्षात ईश्वर की उपासना माना गया है। *प्रकृति के विभिन्न तत्वों यथा- अग्नि, वायु, जल एवं पृथ्वी को देव स्वरूप माना गया है।* ***5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का अवसर वार्षिक औपचारिकता न होकर प्रकृति के प्रति हमारी साझी कृतज्ञता का ज्ञापन होना चाहिए।***

सनातन परंपरा में वर्णित ***तीन ऋणों- देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण में देव ऋण का सीधा संबंध प्रकृति से है।*** *जल, वन, भूमि और समस्त सृष्टि का संरक्षण ही इस ऋण से उऋण होने का मार्ग है। हमारी संस्कृति में वृक्ष केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि देवत्व, जीवन, ज्ञान, स्वास्थ्य और लोककल्याण के जीवंत प्रतीक हैं।* ***कुछ दिन पूर्व ही लाखों माताओं और बहनों ने वट सावित्री व्रत रखा था। यह प्रकृति से हमारी संस्कृति के प्रगाढ़ संबंधों को दर्शाता है। छठ और महाकुम्भ जैसे महापर्व इसी अमूर्त आस्था के प्रतीक हैं।***

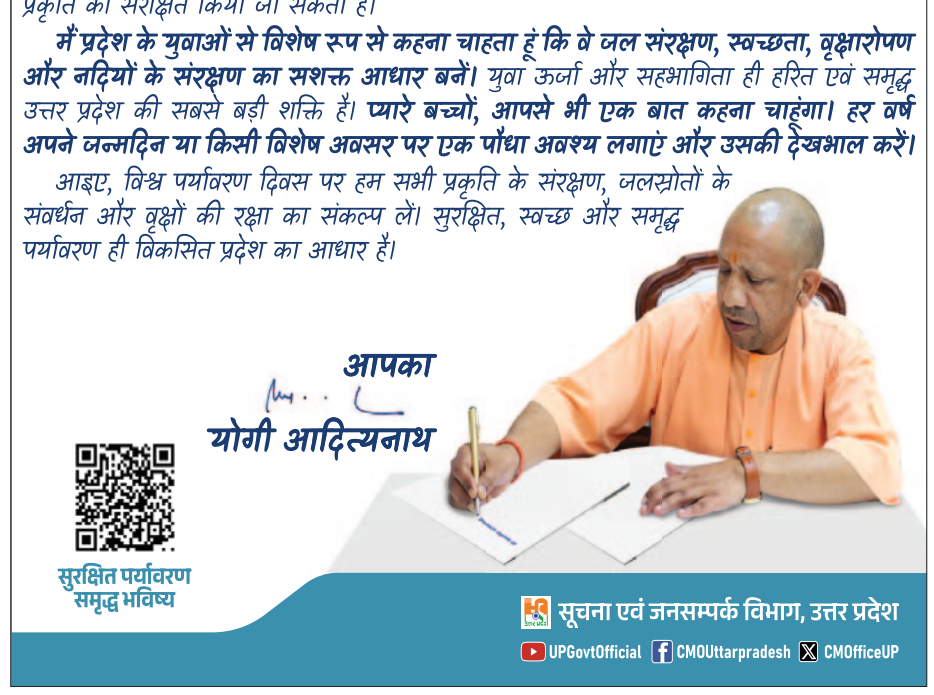

आज वृक्ष, जल संरक्षण और नदियों के पुनर्जीवन का संकल्प पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ***'जल है तो हम हैं'-यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का सार है। पारिस्थितिकी के प्रति हमारी संवेदनशीलता का ही प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश में शेखा झील पक्षी अभयारण्य को मिलाकर रामसर स्थलों की संख्या 12 हो गई है।*** *प्रदेश सरकार की नदियों के पुनरुद्धार की 'एक जनपद एक नदी योजना' की सफलता दर्शाती है कि यदि समाज और शासन मिलकर प्रयास करें, तो प्रकृति को संरक्षित किया जा सकता है।*

मैं प्रदेश के युवाओं से विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि वे जल संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और नदियों के संरक्षण का सशक्त आधार बनें। *युवा ऊर्जा और सहभागिता ही हरित एवं समृद्ध उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है।* ***प्यारे बच्चों, आपसे भी एक बात कहना चाहूंगा। हर वर्ष अपने जन्मदिन या किसी विशेष अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें।***

आइए, विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी प्रकृति के संरक्षण, जलस्रोतों के संवर्धन और वृक्षों की रक्षा का संकल्प लें। सुरक्षित, स्वच्छ और समृद्ध पर्यावरण ही विकसित प्रदेश का आधार है।

आपका
योगी आदित्यनाथ

सुरक्षित पर्यावरण समृद्ध भविष्य
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

6 लोगों की मौत

12 लोगों का रेस्क्यू मलबे से

दिल्ली में पांच मंजिला इमारत ढही

साकेत इलाके में हादसे का वीडियो आया सामने, कई मेडिकल छात्र मलबे में दबे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के साकेत इलाके में पांच मंजिला इमारत गिरने की घटना ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। शनिवार शाम हुए इस दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। घटना का वीडियो रविवार को सामने आया, जिसमें इमारत को अचानक भरभराकर गिरते देखा जा सकता है। दक्षिणी दिल्ली जिले के डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि जिस स्थान पर इमारत का मलबा गिरा, वहां मेडिकल छात्रों की कैंटीन संचालित थी। हादसे के समय कैंटीन में मौजूद कई छात्र मलबे की चपेट में आ गए, जिसके कारण बचाव अभियान को तेजी से चलाना पड़ा।

घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रशासन ने विशेष ग्रीन कॉरिडोर बनाया।

>> (शेष पेज 06 पर)

रविवार को भी घटनास्थल पर रेस्क्यू जारी है। आशंका है कि मलबे में और भी लोग दबे हो सकते हैं।

सीएम बोलीं- जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे वाली जगह का दौरा किया। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण करने वालों और ऐसे निर्माण को अनुमति देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से कहा, ‟ऐसी सभी अनधिकृत इमारतों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मलबे से 12 लोगों को निकाला गया

हादसे के तुरंत बाद पुलिस, दमकल विभाग और बचाव एजेंसियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मलबे में दबे 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से 10 घायलों को उपचार के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

दिल्ली में बिल्डिंग गिरने की पिछली 2 घटनाएं

- **जुलाई 2025: दिल्ली में चार मंजिला इमारत ढही, 6 की मौत**
  दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला इमारत गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं एक साल के बच्चे समेत आठ लोग घायल हुए थे। बिल्डिंग में 10 लोगों का एक परिवार रहता था।
- **अप्रैल 2025: महीने पहले इमारत गिरने से 11 लोग मरे थे**
  दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में 18 अप्रैल की देर रात ढाई बजे चार मंजिला बिल्डिंग ढह गई थी। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी। 20 साल पुरानी इमारत के गिरने के बाद 12 घंटे से ज्यादा समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला था। पुलिस के मुताबिक इमारत में 22 लोग रहते थे।

प्रशासन में बदलता चेहरा, 'मैडम राज' से बढ़ी फील्ड से फाइल तक पकड़

विकास

बृजेंद्र वीर सिंह

अंबेडकरनगर में प्रशासनिक ढांचे के भीतर महिला अधिकारियों की भूमिका लगातार विस्तार ले रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस और विकास विभागों में उनकी सक्रिय मौजूदगी ने कार्यशैली और निगरानी व्यवस्था में नया संतुलन बनाया है। जिला स्तर पर इसे प्रशासनिक बदलाव के एक चरण के रूप में देखा जा रहा है। एसडीएम प्रतीक्षा सिंह सहित अन्य उपजिलाधिकारी स्तर के अधिकारियों की फील्ड में सक्रियता से तहसील और ग्रामीण स्तर पर शिकायतों के निस्तारण में तेजी आई है।

जिले के सिस्टम में उभरता नया संतुलन

> **जिलाधिकारी ईशा प्रिया के नेतृत्व में जिले में विकास योजनाओं की समीक्षा और विभागीय समन्वय पर लगातार फोकस किया जा रहा है। जनसुनवाई, फील्ड निरीक्षण और समयबद्ध कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।**

फाइलों से फील्ड तक बढ़ा दायरा

महिला अधिकारी अब केवल कार्यालयी कार्यों तक सीमित नहीं हैं। फील्ड विजिट, निरीक्षण और योजनाओं की प्रगति समीक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ी है। कई विभागों में योजनाओं के क्रियान्वयन और शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया में नियमितता देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, कामकाज की गति में सुधार हुआ है।

एसपी प्राची सिंह की अगुवाई में कानून व्यवस्था पर नजर

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में जिले में कानून व्यवस्था को लेकर सख्त निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई और पुलिस की फील्ड उपस्थिति को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

एडीएम ज्योत्सना बंधु प्रशासनिक समन्वय में सक्रिय

अपर जिलाधिकारी ज्योत्सना बंधु राजस्व मामलों, प्रशासनिक समन्वय और विभागीय बैठकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विभिन्न योजनाओं की समीक्षा और फाइल निस्तारण प्रक्रिया में भी तेजी देखी जा रही है।

राजस्थान में फिर रेतीला बवंडर उठा, दिन में अंधेरा छाया

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर में रविवार शाम को फिर से रेतीला बवंडर उठा। इससे दिन में अंधेरा छा गया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आसमान में दूर से ही धूल का गुबार उठता दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे आगे बढ़ा। इससे पहले शनिवार दोपहर 3 बजे राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में रेतीला तूफान आया था। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा। रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। इस दौरान 56kmph की रफ्तार से आंधी चली। उत्तर प्रदेश के अमरोहा, लखनऊ, संभल, मुरादाबाद, हाथरस, गोंडा और बलरामपुर में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। लखनऊ में बारिश के दौरान दीवार गिरने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई।

अर्चना अग्रवाल बनीं उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद की नई अध्यक्ष

अनिल कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद मिली जिम्मेदारी

- भारतीय प्रशासनिक सेवा में 36 वर्ष का सेवाकाल को इसी साल पूरा कर रही हैं अर्चना अग्रवाल।
- अध्यक्ष सड़क परिवहन निगम और अपर मुख्य सचिव परिवहन की भी जिम्मेदारी संभालती रहेंगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के अध्यक्ष पद पर बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अर्चना अग्रवाल को उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद का नया अध्यक्ष

नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार के रविवार को सेवानिवृत्त होने के बाद की गई है। राज्य सरकार के इस निर्णय को उत्तर प्रदेश प्रशासनिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण फेरबदल के रूप में देखा जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

परिवहन विभाग और रोडवेज की जिम्मेदारी भी संभालेंगी

1990 बैच की आईएएस अधिकारी अर्चना अग्रवाल राजस्व परिषद की अध्यक्ष बनने के साथ-साथ अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम तथा अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग का दायित्व भी संभालती रहेंगी। राजस्व परिषद के अध्यक्ष पद की दौड़ में उनके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों दीपक कुमार, बी.एस. मीना और लीना जौहरी के नाम भी चर्चा में थे, लेकिन वरिष्ठता और अनुभव के आधार पर अर्चना अग्रवाल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।

यूपी में डॉक्टर-नर्स 5 लाख में बेचते थे बच्चा

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज की नर्स किंगपिन, बरेली में बच्चा चोरी गैंग के नेटवर्क का खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। यूपी के अलग-अलग जिलों के डॉक्टर और नर्स बच्चा चोरी गैंग चला रहे थे। ये लोग 5-5 लाख रुपए में मासूम बच्चों का सौदा करते थे। पुलिस ने शनिवार को सीतापुर-लखीमपुर के 2 डॉक्टरों के साथ बरेली के एक मेडिकल कॉलेज की नर्स को गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस अब रैकेट से जुड़े 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बरेली पुलिस ने डॉ. संजय कुमार विश्वास (60), केशवराम उर्फ मंजेश और नर्स सीता को पकड़ा है। डॉ. संजय सीतापुर में हॉस्पिटल चला रहा था और मूलतः पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। केशव राम उर्फ मंजेश (31) ने इंटरमीडियट तक पढ़ाई की है। करीब 10 साल से लखीमपुर में अपना क्लिनिक

चला रहा है। इसी तरह सीता (38) बरेली के भोजीपुरा स्थित एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में नर्स है। एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने बताया- 24 मई 2026 को थाना आंवला के ग्राम मनौना से डेढ़ साल के एक बच्चे के अपहरण की सूचना मिली थी। इसके बाद मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों योगेश और पवन को गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान उत्तम बाजपेयी नाम के एक और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उत्तम बाजपेयी दलाल के रूप में कार्य करता था और बच्चों की सप्लाई को

पूछताछ में सामने आया है कि ये तीनों आरोपी बच्चों की सप्लाई में शामिल थे। अभी तक की जानकारी के अनुसार बच्चों को करीब 5 लाख रुपए में बेचा जाता था। इस गिरोह से संबंधित अन्य आरोपियों तक पहुंचने का भी प्रयास किया जा रहा है।

सुनिश्चित और फैसिलिटेट करने का काम करता था। आज 30 मई को तीन अन्य आरोपियों संजय, मंजेश और सीता को गिरफ्तार किया गया है। ये तीनों आरोपी मेडिकल फील्ड से संबंधित हैं। एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्यवाही की जाएगी। इसमें अभी कुछ और भी लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। पुलिस गहनता से पूरे मामले की जांच कर रही है।

इनमें से संजय सीतापुर में एक अस्पताल का संचालन करता है, मंजेश एक फर्जी क्लीनिक चलाता है और सीता एक नर्स के तौर पर कार्य करती है। जांच में अवैध गर्भपात का रैकेट चलने की आशंका जताई जा रही है।

जो महिलाएं बच्चा गिराना चाहती थीं, उन्हें कुछ पैसे दिए जाते थे और जब वे प्रेग्नेंसी की स्टेज पर पहुंचती थीं, तो ऑपरेशन कर बच्चे को प्राप्त कर आगे बेच दिया जाता था। इस मामले में न्यूबॉर्न बेबी भी शामिल हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

नर्स सीता करती थी डील

सीता अब तक इन लोगों से लिए गए बच्चों को 5-5 लाख रुपए में बेच चुकी है। तीसरा बच्चा मनौना धाम से अगवा किया गया था। इसे भी बेचने वाले थे, लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते इस गैंग का भंडाफोड़ हो गया। एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्यवाही की जाएगी। इसमें अभी कुछ और भी लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

पुलिस गहनता से पूरे मामले की जांच कर रही है।

बच्चा तस्करी करने वाले गिरोह सदस्यों के अलग-अलग काम

- ***योगेश और पवन:*** *ये दोनों मुख्य रूप से किडनैपर (अपहरणकर्ता) के रूप में कार्य कर रहे थे। बच्चों को चोरी करने का काम इन्हीं के द्वारा किया जाता था।*
- ***उत्तम बाजपेयी:*** *यह दलाल और मेडिएटर (बिचौलिये) के रूप में कार्य करता था। इसके द्वारा ही पूरे गिरोह को संपर्क में लाया गया था। बच्चों की सप्लाई को सुनिश्चित व फैसिलिटेट करने का काम किया जाता था।*
- ***संजय:*** *यह सीतापुर में एक अस्पताल का संचालन करता है। यह बच्चों के सप्लायर के रूप में कार्य कर रहा था और इसने भी बच्चों को उत्तम को सप्लाई किया था।*
- ***मंजेश:*** *यह करीब 10 वर्षों से लखीमपुर खीरी में एक फर्जी क्लीनिक का संचालन कर रहा है। यह भी बच्चों के सप्लायर के रूप में कार्य करता था और इसने भी एक बच्चे की सप्लाई उत्तम को की थी।*
- ***सीता:*** *यह बरेली में एक नर्स के तौर पर कार्य करती है। यह सप्लायर के रूप में काम कर रही थी और बच्चों को लेकर बायर (खरीदने वालों) तक पहुंचाने का काम करती थी।*

सुलतानपुर फाउंडेशन का ज्ञानदीप अभियान हुआ पूरा

32वां सप्ताह वल्लीपुर गांव में सफलतापूर्वक संपन्न

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर जनपद के वल्लीपुर गांव स्थित निषाद बस्ती में घर सुलतानपुर फाउंडेशन का ज्ञानदीप अभियान अपने 32वें सप्ताह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अभियान पिछले 32 सप्ताहों से लगातार चलाया जा रहा है। इस अवसर पर नितिन मिश्रा, सचिन सिंह और विनायक मिश्रा ने शिक्षकों के रूप में बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाया। उन्होंने सरल और प्रेरणादायक तरीके से बच्चों को शिक्षा के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनकी कक्षा के अनुसार हिंदी, अंग्रेजी और गणित विषयों का अध्ययन कराया गया। इसके अतिरिक्त, उन्हें नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में भी

जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई, और ज्ञानेंद्र सिंह 'ईशु' ने सभी बच्चों को नोटबुक प्रदान कीं।घर सुलतानपुर फाउंडेशन का यह अभियान ग्रामीण और वंचित वर्ग के बच्चों तक शिक्षा पहुँचाने तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

फास्ट न्यूज

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती मनाई गई

रायबरेली। रायबरेली में 31 मई को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती मनाई गई। वैष्णो नगर, 66 फुट रोड पीएसी रायबरेली में आयोजित इस गरिमामय समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और लोकमाता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शिवमूर्ति सिंह 'राना' मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सीतापुर में बारिश से तापमान 6 डिग्री गिरा

सीतापुर। सीतापुर में कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच रविवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली, जिससे लोगों को राहत की सांस मिली। तेज हवाओं और बारिश के चलते तापमान में 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। जहां सुबह के समय तेज धूप और उमस से लोग परेशान थे, वहीं दोपहर बाद मौसम सुहाना हो गया। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह जिले का तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दोपहर बाद मौसम बदलने के साथ तेज हवाएं चलने लगीं और कई क्षेत्रों में बारिश शुरू हो गई।

कोचिंग जा रही छात्राओं से छेड़छाड़ व छींटाकशी

बाराबंकी। बाराबंकी के टिकैत-नगर थाना क्षेत्र के कोटवाधाम में कोचिंग जा रही छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। छात्राओं के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, छात्राएं प्रतिदिन की तरह कोचिंग के लिए जा रही थीं।
आरोप है कि एक युवक बाइक से उनका पीछा कर रहा था और रास्ते में छींटाकशी व छेड़छाड़ कर रहा था।

कानपुर में साथियों ने खींचकर निकाला, एआई कैमरों ने 2 घंटे में 6000 अलर्ट भेजे

बी.एड प्रवेश परीक्षा देने पहुंचे 12 छात्र नाले में गिरे

कानपुर में एग्जाम सेंटर के पास नाला धंसने से परीक्षा केंद्र में एंट्री के लिए खड़े अभ्यर्थी गिर गए। उनके कपड़े खराब हो गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। यूपी में आज यानी रविवार को बीएड प्रवेश परीक्षा चल रही है। 72 जिलों में सेंटर बनाए गए हैं। पहली पाली की परीक्षा दोपहर 12 बजे तक चली। दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शुरू हुई। परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को आधार, एडमिट कार्ड, फोटो, चेहरा और रेटिना के मिलान के बाद ही एंट्री दी गई। हाथों से घड़ी और जूते निकलवा दिए गए। कानपुर में पहली पाली की परीक्षा से पहले प्रो. एचएन मिश्रा पीजी कॉलेज के पास नाला धंसने से करीब 10 से 12 अभ्यर्थी गिर गए। इससे उनके कपड़े खराब हो गए। कई को चोट भी लगी। एडमिट कार्ड भीग गए। साथी अभ्यर्थियों और आसपास खड़े लोगों ने खींच-खींचकर सभी को बाहर निकाला। करीब 20 हजार AI कैमरों से बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी में बनाए गए कंट्रोल रूम से नजर रखी जा रही है।

कानपुर में नाले का स्लैब धंसा, 10 से 12 अभ्यर्थी गिरे

कानपुर के मकराबर्टगंज के प्रो. एचएन मिश्रा पीजी कालेज के पास नाला धंसने से 10 से 12 अभ्यर्थी नाले में गिरने से हादसे का शिकार हो गए।

इस हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। स्थानीय लोगों ने अभ्यर्थियों को नाले से बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि अभ्यर्थी फोटोकॉपी कराने के लिए आए थे। तभी स्लैब धंसने से हादसा हुआ।

कंट्रोल रूम में अलर्ट आने पर अधिकारी एक्टिव हुए

बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के कंट्रोल रूम में अलर्ट आने पर अधिकारियों ने संबंधित सेंटर पर फोन किया। कहा- रूम नंबर 18 में जाइए देखिए क्यों बात कर रहे हैं।

देखिए जिसमें कक्ष निरीक्षक जींस पहने हुए हैं। उसमें क्या हो रहा है?

रामजन्मभूमि परिसर के सातवें पूरक मंदिर पर 23 जून को होगा ध्वजारोहण

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। रामजन्मभूमि पर बने सात पूरक मंदिरों में से छह मंदिरों का ध्वजारोहण शुक्रवार को संपन्न हो गया। ये सभी मंदिर परकोटे के मध्य निर्मित हैं। अब परकोटे के बाहर और राम मंदिर के पीछे दक्षिण-पश्चिम दिशा में बने शेषावतार मंदिर पर धर्म ध्वजा का आरोहण शेष है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसका ध्वजारोहण कार्यक्रम भी तय कर दिया है, परंतु अभी इसकी रूपरेखा नहीं तैयार हुई है। ट्रस्ट पदाधिकारी शीघ्र ही विचार-विमर्श कर आयोजन का स्वरूप तय करेंगे। इसमें दोनों उपमुख्यमंत्रियों ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य के अलावा लगभग एक हजार अतिथि आमंत्रित किए जाएंगे। ट्रस्ट ने दोनों डिप्टी सीएम को आमंत्रित कर दिया है, अन्य को आमंत्रण बाद में भेजा जाएगा। शेषावतार मंदिर के साथ ही ध्वजारोहण का क्रम समाप्त

हो जाएगा। ट्रस्ट ने सभी पूरक मंदिरों पर अलग-अलग तिथियों व भिन्न-भिन्न अतिथियों से ध्वजारोहण कराने का निर्णय लिया था, जिससे ये आयोजन भी अविस्मरणीय बने रहें। सबसे पहले राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर परकोटे के मां अन्नपूर्णा मंदिर पर 31 दिसंबर 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने धर्म ध्वजा का आरोहण किया था। तत्पश्चात 26 मार्च को सूर्य मंदिर, दो अप्रैल को हनुमान मंदिर, 11 अप्रैल को गणेश मंदिर, 29 अप्रैल को शिव मंदिर व 29 मई को दुर्गा मंदिर पर ध्वजारोहण हुआ। सभी आयोजनों में अलग-अलग अतिथि आमंत्रित रहे। शिव मंदिर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण किया था। नाथ संप्रदाय की गोरक्ष पीठ के पीठाधीश्वर होने के कारण ट्रस्ट ने उन्हें इसके लिए सर्वोपयुक्त माना था। इसी प्रकार अब शेषावतार लक्ष्मण जी के मंदिर पर ध्वजारोहण के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य को आमंत्रित किया गया है। पहले केवल डिप्टी सीएम केशव मौर्य को ही बुलाने का विचार बना था, परंतु बाद में दोनों उपमुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया। ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने शिव मंदिर पर ध्वजारोहण के समय बताया था कि शेषावतार मंदिर का ध्वजारोहण भी समारोहपूर्वक संपन्न होगा। इसमें भी बड़ी संख्या में अतिथियों को बुलाया जाएगा। बताया जा रहा कि ट्रस्ट ने लगभग एक हजार अतिथियों को इसका सहभागी बनाने का विचार बनाया है।

दबंगों ने जबरन खड़ंजा लगाया

विरोध करने पर महिलाओं को पीटा, टीचर की जमीन पर कब्जा

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी। अमेठी के कुशीताली गांव में नकाबपोश दबंगों ने एक शिक्षक की जमीन पर जबरन खड़ंजा लगा दिया। विरोध करने पर घर की महिलाओं के साथ मारपीट की गई। घटना का वीडियो सामने आया है। यह मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के कुशीताली गांव का है। पीड़ित अरविंद पांडेय एक शिक्षक हैं। वह गौरीगंज में तैनात हैं। शनिवार सुबह वे जनगणना ड्यूटी के कारण घर से बाहर थे। इसी दौरान गांव के कुछ दबंग, जिनमें प्रशांत पांडेय पुत्र वीरेंद्र पांडेय भी शामिल थे, अपनी पहचान छिपाने के लिए मुंह पर गमछा बांधकर आए। उन्होंने शिक्षक के घर के सामने इंटरलॉकिंग सड़क पर जबरन निजी खड़ंजा लगाना शुरू कर दिया। घर में मौजूद महिलाओं ने जब इस अवैध कब्जे का विरोध किया, तो दबंगों ने उनके साथ अभद्रता की और मारपीट भी की। महिलाओं को डराया-धमकाया

गया। पीड़ित परिवार ने पूरे मामले की शिकायत अमेठी कोतवाली पुलिस से की है। हालांकि, शिकायत के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप है। पीड़ित शिक्षक ने मुख्यमंत्री और पुलिस अधीक्षक से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

कानपुर में ब्रिटिशकालीन ब्रिज टूटा

हादसे के दौरान नहीं थी आवाजाही, निर्माणाधीन पुल को बिना रेलिंग शुरू कराया

रामगंगा नहर के ब्रिटिशकालीन पुल का मध्य हिस्सा रविवार को टूटकर नहर में गिर गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के साढ़-कुड़नी मार्ग पर बरईगढ़ गांव के पास स्थित रामगंगा नहर के ब्रिटिशकालीन पुल का मध्य हिस्सा रविवार भोर में बीच से टूटकर नहर में गिर गया। घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था। ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में नहर पटरी कटने से इस घटना की आशंका थी, फिर भी नहर विभाग ने अनदेखा किया। अब बिना रेलिंग वाला निर्माणाधीन पुल खोलकर लोगों के लिए और मुसीबत बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह पुल काफी पुराना और जर्जर हो चुका था, जिसके चलते पास में नया पुल निर्माणाधीन है। बावजूद इसके, लंबे

नहर विभाग के जेई आशीष पाल ने बताया- बरईगढ़ नहर पुल कई वर्ष पुराना था, पानी के अधिक बहाव के चलते ढह गया। पीडब्ल्यूडी के द्वारा पास नए पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिससे आवागमन चालू करा दिया गया है, जल्द पुल की रेलिंग बनवाई जाएगी।

समय से इसी पुराने पुल के जरिए लोगों का आवागमन जारी था। ग्रामीणों का आरोप है कि नहर विभाग की लापरवाही और समय पर उचित देखरेख न होने के कारण यह हादसा हुआ। रामगंगा नहर के ब्रिटिशकालीन पुल का मध्य हिस्सा रविवार को टूटकर नहर में गिर गया। ग्रामीणों ने बताया कि नए पुल की किनारे वाली कोठियों से लोहे का पाड़ अब तक नहीं हटाया गया था, जिससे वहां कूड़ा-करकट जमा हो गया।

बीस दिन पहले मिला था संकेत, विभाग ने किया अनदेखा

ग्रामीणों का कहना है कि करीब 20 दिन पहले भी पानी की निकासी बाधित होने से नहर पटरी कट गई थी, लेकिन विभाग ने स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया। शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन और नहर विभाग के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण भी किया था, फिर भी पुल की गंभीर स्थिति पर ध्यान नहीं दिया गया।

पुल गिरने के बाद प्रशासन ने राहत देते हुए पास में बन रहे नए निर्माणाधीन पुल से अस्थायी रूप से आवागमन शुरू करा दिया है। हालांकि ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जाए और नहर की सफाई दुरुस्त की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

वारदातट : साड़ी की रस्सी बनाकर घर में घुसे चोर, अलमारी-बक्शे का ताला तोड़कर वारदात

घर से लाखों की नकदी-जेवर चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर। जिले के मछरेहटा थाना क्षेत्र के ग्राम बीहट बीरम में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी ठाकुर सिद्धेश्वर सिंह शनिवार रात अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर घर के पिछले हिस्से से पहुंचे और साड़ी का फंदा बनाकर मकान के अंदर उतर गए। इसके बाद चोरों ने कमरे की जाली तोड़कर घर में प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम

दिया। अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर समेटा कीमती सामान घर में घुसने के बाद चोरों ने अलमारी और बक्सों को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने ताले तोड़कर या खोलकर उनमें रखी नकदी, सोने-चांदी के जेवरात तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। रविवार सुबह जब परिवार के सदस्य नींद से जागे तो घर के अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कमरे में सामान बिखरा पड़ा था, अलमारी और बक्से खुले हुए थे तथा घर का सामान अस्त-व्यस्त मिला। चोरी की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद गांव के लोगों ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। घटना की सूचना मिलते ही मछरेहटा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस का दावा, जल्द होंगे आरोपी गिरफ्तार

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही चोरी की इस वारदात का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पीड़ित ठाकुर सिद्धेश्वर सिंह ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी प्रभात गुप्ता ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

ससुराल पहुंचे दामाद की पिटाई, तीन लोग घायल

बाराबंकी में मामूली बात पर हुआ विवाद, लाठी-डंडों से किया गया हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी बाराबंकी जिले के लोनीकटरा थाना क्षेत्र के पठखौली गांव में पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें लाठी-डंडों के इस्तेमाल से तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, अमित तिवारी अपनी पत्नी को लेने पठखौली गांव स्थित ससुराल पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने अमित तिवारी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस मारपीट में अमित

तिवारी, सोनू तिवारी और अनिल घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि सोनू तिवारी को गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर लोनीकटरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र त्रिवेदीगंज में भर्ती कराया है। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने न केवल मारपीट की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं, लड़की पक्ष ने भी अपनी बेटी के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है।

दोनों पक्षों के आरोपों के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निजी अस्पतालों के पंजीकरण और नवीनीकरण प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों के बाद शासन का निर्णय

सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल हटाए गए, लखनऊ में मिली नई तैनाती

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। निजी अस्पतालों के पंजीकरण और नवीनीकरण में कथित अनियमितताओं के मामले में शासन ने सख्त कदम उठाया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. संजय कुमार शैवाल को उनके पद से हटा दिया गया है।

उन्हें संयुक्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य के पद पर लखनऊ स्थानांतरित किया गया है।

उनके स्थान पर फर्रुखाबाद में तैनात वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. प्रमोद कुमार को अंबेडकरनगर का नया सीएमओ नियुक्त किया गया है। शासन स्तर पर लिए गए इस निर्णय के बाद स्वास्थ्य विभाग में प्रशासनिक बदलाव लागू हो गया है।

शिकायतों के बाद गठित हुई थी जांच समिति

सीएमओ कार्यालय से जुड़ी कथित अनियमितताओं और शिकायतों के बाद तत्कालीन जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने 12 सितंबर 2025 को जांच समिति का गठन किया था। समिति की अध्यक्षता एडीएम डॉ. सदानंद गुप्ता ने की थी। इसके साथ जॉइंट मजिस्ट्रेट प्रतीक्षा सिंह और एसडीएम डॉ. शशि शेखर को सदस्य बनाया गया था। समिति को निजी अस्पतालों के पंजीकरण, नवीनीकरण और प्रक्रिया पालन से जुड़ी शिकायतों की जांच सौंपी गई थी।

जांच में प्रक्रियागत खामियां सामने आईं

जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया कि प्रत्यक्ष वित्तीय लेनदेन के ठोस प्रमाण नहीं मिले। हालांकि समिति ने पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया में कई स्तरों पर खामियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के अनुसार कुछ मामलों में अस्पतालों का पंजीकरण समय पर पूरा किया गया, लेकिन अगले वर्ष उनकी अनिवार्य समीक्षा और नवीनीकरण प्रक्रिया नहीं की गई। इससे निगरानी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। समिति ने यह भी पाया कि कई फाइलें बिना स्पष्ट कारण लंबे समय तक लंबित रहीं। कुछ मामलों में निर्धारित नियमों का पालन किए बिना स्वीकृतियां दिए जाने की बात भी सामने आई।

> *समिति की रिपोर्ट फरवरी 2026 में शासन को भेजी गई थी। रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य विभाग स्तर पर समीक्षा की गई। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 8 मई को सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल और एसीएमओ डॉ. संजय वर्मा के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।*

लापरवाही और प्रक्रिया उल्लंघन का उल्लेख

जांच रिपोर्ट में समग्र रूप से यह निष्कर्ष दर्ज किया गया कि पंजीकरण और नवीनीकरण प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का समान रूप से पालन नहीं किया गया। रिपोर्ट में इसे प्रशासनिक लापरवाही और प्रक्रिया उल्लंघन की श्रेणी में रखा गया। इसी आधार पर शिकायतकर्ताओं के आरोपों को भी आंशिक रूप से प्रक्रिया संबंधी खामियों से जुड़ा माना गया। स्वास्थ्य विभाग में यह प्रशासनिक फेरबदल महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में प्रक्रियागत निगरानी और कड़े मानकों पर जोर रहने की उम्मीद है।

अधिक मास की पूर्णिमा पर शिव चर्चा और भजन से गूंजे गांव

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर जिले में अधिक मास (मलमास) की पूर्णिमा के अवसर पर कई गांवों में शिव चर्चा और भजन-कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। चैनपुर, नसीरपुर और आसपास के क्षेत्रों में हुए आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इन धार्मिक कार्यक्रमों में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव के साथ भाग लिया। कार्यक्रमों के दौरान शिव चर्चा, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। आचार्य अमित प्रकाश शुक्ला ने अधिक मास के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह अवधि भगवान शिव को समर्पित मानी जाती है। इस दौरान भजन, कीर्तन और शिव चर्चा करने से जीवन में सकारात्मकता और कल्याण की भावना बढ़ती है। कार्यक्रमों में वंदना, सपना, निशा, शीतल, पुष्पा, प्रेमलता और सुमन सहित कई महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही। भजन गायकों अरविंद कुमार पांडे (आजमगढ़) और विजय बहादुर पांडे (जौनपुर) ने भोलेनाथ के भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, तीन लोग गंभीर घायल

जलालपुर क्षेत्र में सड़क हादसा, बाइक सवार तीन लोग घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के जलालपुर क्षेत्र में रविवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, दीपक पटेल अपने मामा की बेटियों अमिता पटेल (27) और मानसी पटेल (18) के साथ बाइक से यात्रा कर रहे थे। तीनों गौरा कमाल स्थित ननिहाल से अछती बाजार, बसखारी में इलाज कराने के बाद वापस जलालपुर लौट रहे थे।वे एक ही बाइक पर सवार थे और सामान्य गति से आगे बढ़ रहे थे। गोलपुर मोड़ से करीब 200 मीटर आगे जलालपुर की दिशा में सामने से आ रही स्विफ्ट कार ने बाइक को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे हादसा हुआ।टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने डायल-108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर पहुंचाया गया।प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। गौरा कमाल के प्रधान और प्रधान संघ अध्यक्ष लालू यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे। परिजन भी अस्पताल पहुंचकर घायलों के इलाज में जुट गए। स्थानीय पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है।

फास्ट न्यूज

लेखपाल संघ की टांडा तहसील इकाई का चुनाव संपन्न

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ जनपद अंबेडकरनगर की टांडा तहसील इकाई का चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी बृजेश वर्मा की देखरेख में आयोजित चुनाव में विभिन्न पदों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई गई। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों को सदस्यों ने बधाई दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना 'मन की बात' का 134वां एपिसोड

अंबेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 134वां एपिसोड सुना। भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. रजनीश सिंह के नेतृत्व में नगर मंडल के विभिन्न बूथों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रजनीश सिंह ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सेवा, स्वच्छता, नवाचार और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण संदेश दिए जाते हैं।

मिशन शक्ति केंद्र की काउंसिलिंग से सुलझा पति-पत्नी का विवाद

अंबेडकरनगर। थाना मालीपुर क्षेत्र स्थित मिशन शक्ति केंद्र में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न विवाद और आपसी मतभेद से संबंधित एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ। मामले को गंभीरता से लेते हुए मिशन शक्ति केंद्र की पुलिस टीम ने दोनों पक्षों की काउंसिलिंग कराई, जिसके बाद विवाद का निस्तारण आपसी सहमति से किया गया। पुलिस विभाग की ओर से संचालित मिशन शक्ति अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

प्रवीण कुमार तिवारी कानपुर नगर भेजे गए, शिक्षा विभाग में प्रशासनिक फेरबदल

अंबेडकरनगर के डीआईओएस का तबादला, कौस्तुभ कुमार सिंह को मिली जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन की तबादला नीति के तहत जिले के शिक्षा विभाग में प्रशासनिक बदलाव किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) प्रवीण कुमार तिवारी का तबादला कानपुर नगर कर दिया गया है। वहीं, उनके स्थान पर अयोध्या मंडल में तैनात मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक कौस्तुभ कुमार सिंह को अंबेडकरनगर का नया डीआईओएस बनाया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक के रूप में उनके सामने विद्यालयों की व्यवस्थाओं की निगरानी, शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन, बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होंगी।

शिक्षा विभाग के कार्यों पर रहेगा फोकस

जिला विद्यालय निरीक्षक की जिम्मेदारी जिले के माध्यमिक विद्यालयों की शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी से जुड़ी होती है। बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों, विद्यालयों के निरीक्षण, शिक्षकों से जुड़े मामलों और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में डीआईओएस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

शासन की तबादला नीति के तहत हुआ बदलाव

प्रदेश सरकार की वार्षिक तबादला नीति के तहत विभिन्न विभागों में अधिकारियों के स्थानांतरण की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा विभाग में भी कई अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। अंबेडकरनगर में डीआईओएस पद पर हुआ बदलाव इसी प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

प्रवीण कुमार तिवारी ने जिले में रहते हुए विभागीय कार्यों का संचालन किया। अब उन्हें कानपुर नगर में नई तैनाती मिली है। उनके स्थान पर नियुक्त कौस्तुभ कुमार सिंह इससे पहले मंडलीय स्तर पर शिक्षा प्रशासन से जुड़ी जिम्मेदारियां निभा रहे थे।

कौस्तुभ कुमार सिंह शिक्षा प्रशासन से जुड़े विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक के रूप में उन्होंने शिक्षा विभाग की कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं और योजनाओं की निगरानी की है। ऐसे में जिले की शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने में उनका अनुभव उपयोगी माना जा रहा है।

शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी बढ़ीं उम्मीदें

नए डीआईओएस की नियुक्ति के बाद जिले के माध्यमिक विद्यालयों में चल रही विभिन्न योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी अब नए नेतृत्व में विभागीय कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

मीरानपुर स्थित एटीएम में गड़बड़ी की आशंका, ग्राहकों ने जताई चिंता

मशीन में लगी लोहे की पट्टी को लेकर उठे सवाल, बैंक तक पहुंची शिकायत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय क्षेत्र के अकबरपुर-अयोध्या मार्ग स्थित मीरानपुर में एक एटीएम मशीन को लेकर लोगों ने गड़बड़ी की आशंका जताई है। स्थानीय लोगों का दावा है कि एटीएम के कैश निकासी स्लॉट के पास लोहे की एक पट्टी लगी हुई है, जिससे ग्राहकों को नकदी निकासी में परेशानी हो सकती है। सूत्रों के अनुसार कुछ लोगों ने एटीएम का निरीक्षण करने के दौरान मशीन में लगी संदिग्ध पट्टी की जानकारी संबंधित बैंक अधिकारियों को दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संबंध में शिकायत भी की गई है। क्षेत्र में चर्चा है कि एटीएम मशीन में लगाई गई उक्त पट्टी के कारण ग्राहकों की नकदी फंस सकती है। हालांकि, इस मामले में किसी आधिकारिक एजेंसी या बैंक की ओर से अभी तक कोई पुष्टि नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने मामले की जांच कराए जाने और एटीएम मशीन की तकनीकी स्थिति की पड़ताल करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि मशीन में किसी प्रकार की छेड़छाड़ हुई है तो उसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए। मामले को लेकर बैंक प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि एटीएम में पाई गई संरचना तकनीकी व्यवस्था का हिस्सा है या किसी अन्य कारण से लगाई गई है। फिलहाल मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में बैंक और संबंधित अधिकारियों की जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

42 वर्ष की सेवा के बाद पीआरडी जवान निन्कू राम हुए सेवानिवृत्त, विदाई समारोह आयोजित

आलापुर क्षेत्र में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर जिले में रविवार को पीआरडी जवान निन्कू राम की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। वे 42 वर्षों तक निष्ठा और अनुशासन के साथ सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए। समारोह का आयोजन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में किया गया। निन्कू राम ने ग्राम वैरी बुजुर्ग, थाना राजेसुल्तानपुर क्षेत्र में रहकर लंबे समय तक अपनी सेवाएं दीं।

उनके सेवाकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी की अधिकारियों ने सराहना की। कार्यक्रम में उनके योगदान को याद किया गया। समारोह के दौरान निन्कू राम को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया और उनके दीर्घ सेवाकाल की सराहना की गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में मिठाई वितरण भी किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की। सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की गईं।

42 वर्षों की सेवा पूरी करने के साथ निन्कू राम का पुलिस विभाग में लंबा सफर समाप्त हुआ। उनकी कार्यशैली और अनुशासन को सहयोगियों ने याद किया। समारोह का माहौल सम्मान और विदाई भाव के साथ शांतिपूर्ण रहा। विदाई समारोह में क्षेत्राधिकारी आलापुर प्रदीप सिंह चन्देल, प्रभारी निरीक्षक आलापुर रितेश कुमार पाण्डेय सहित क्षेत्राधिकारी कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

लखनिया गांव में पंचायत भवन के पास अचानक भड़का तनाव

सड़क पर बैठे साये और एक पल में टूटी जिंदगी, टकराव में युवक की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के सम्मनपुर थाना क्षेत्र के लखनिया गांव में पंचायत भवन के पास रविवार को ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसने पूरे इलाके को हिला दिया। सड़क किनारे बैठे कुछ युवकों और बाइक से गुजर रहे लोगों के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इस झड़प में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। बाइक सवार युवकों ने रास्ता देने की बात कही। इसी पर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर माहौल तेजी से बदल गया। गालियों से शुरू हुआ विवाद अचानक हाथापाई में बदल गया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट बढ़ गई और गांव के कुछ अन्य लोग भी इसमें शामिल हो गए।

> **घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी और अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। गांव में किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है।**

फरार आरोपियों की तलाश तेज

घटना के बाद संबंधित पक्ष के कई युवक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है और गिरफ्तारी के लिए कई टीमों को लगाया गया है।

कुछ मिनटों में बदल गई तस्वीर

झड़प के दौरान साहिल अहमद और मोहम्मद यासीन गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं जमशेद और गुलाम अशरफ को हल्की चोटें आईं। मारपीट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सभी घायल वहां से हटाए गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दो लोगों को छुट्टी दे दी गई, जबकि साहिल और यासीन की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

बाजार से लौटते रास्ते में रुका सफर

शरीफपुर गांव के साहिल अहमद, मोहम्मद यासीन, मोहम्मद जमशेद और गुलाम अशरफ दो बाइक पर सवार होकर बाजार गए थे। सभी लोग बकरीद के तीसरे दिन की गतिविधियों के बीच दूध और ठंडा लेने निकले थे। लौटते समय उनकी राह लखनिया गांव के पास उस मोड़ पर आकर रुक गई।

ज्ञापन : जिलाधिकारी को सौंपा गया पत्र, स्मृति पार्क और द्वार की मांग

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित शिव शंकर त्रिपाठी के सम्मान में स्मृति स्थल की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय पंडित शिव शंकर त्रिपाठी के सम्मान में स्मृति पार्क, स्मृति द्वार और चौराहे के नामकरण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में उनके स्वतंत्रता आंदोलन में दिए गए योगदान को यादगार बनाने और नई पीढ़ी तक उनकी विरासत पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि स्वर्गीय पंडित शिव शंकर त्रिपाठी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनका संपूर्ण जीवन

राष्ट्र सेवा और समाज हित के कार्यों के लिए समर्पित रहा। ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी के योगदान को स्थायी रूप से संरक्षित करना समय की आवश्यकता है। पत्र में मांग की गई है कि ग्राम सिझौली (सम्मोपुर) में पंडित शिव शंकर त्रिपाठी के नाम पर एक भव्य स्मृति पार्क का निर्माण कराया जाए। इसके लिए उपयुक्त सरकारी भूमि आवंटित की जाए और पार्क में उनके जीवन, संघर्ष तथा स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को प्रदर्शित करने वाली संरचनाएं विकसित की जाएं। ज्ञापन में जिलाधिकारी से यह भी अनुरोध किया गया है कि स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के सम्मान और कल्याण से संबंधित योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। इससे स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ मिल सकेगा। ज्ञापन सौंपने वालों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाता है तो यह न केवल स्वतंत्रता सेनानी पंडित शिव शंकर त्रिपाठी के योगदान का सम्मान होगा, बल्कि युवाओं को देशभक्ति और राष्ट्र सेवा की भावना से प्रेरित करने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

मुख्य मार्ग पर बने 'पंडित शिव शंकर त्रिपाठी स्मृति द्वार'

ज्ञापन में जिले के किसी प्रमुख मार्ग या राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग से जुड़े महत्वपूर्ण चौराहे पर "स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित शिव शंकर त्रिपाठी स्मृति द्वार" के निर्माण की भी मांग की गई है। इसके साथ ही संबंधित चौराहे का नाम उनके नाम पर रखने का अनुरोध किया गया है, ताकि लोगों को उनके योगदान की निरंतर याद बनी रहे। पत्र में यह भी सुझाव दिया गया है कि प्रस्तावित स्मृति पार्क और अन्य स्मारक स्थलों पर स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा अथवा शिलापट्ट स्थापित किया जाए। इससे आने वाली पीढ़ियों को उनके संघर्ष, त्याग और देशभक्ति से प्रेरणा मिलेगी तथा स्थानीय इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। ज्ञापन में स्वतंत्रता सेनानी के परिवार के कल्याण से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया है। इसमें उनके सुपौत्र को पात्रता के आधार पर स्वतंत्रता सेनानी आश्रित पेंशन, आर्थिक सहायता और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

नवारी दुराजपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

अंबेडकरनगर के विकासखंड जहांगीरगंज क्षेत्र के ग्राम नवारी दुराजपुर में स्वर्गीय हाजी इदरीश क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन नगर पंचायत जहांगीर-गंज की अध्यक्ष सुनीता देवी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटकर की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और मैच की औपचारिक शुरुआत कराई। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और ग्रामीण मौजूद रहे। टूर्नामेंट का आयोजन वार्ड संख्या 17 के सभासद मतलूब अहमद के सौजन्य से किया गया। आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि खेल शरीर और मन दोनों के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन के साथ खेलते हुए क्षेत्र और जिले का नाम रोशन करने की अपील की।

बेसिक शिक्षा विभाग में प्रशासनिक फेरबदल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर में बेसिक शिक्षा विभाग में प्रशासनिक बदलाव किया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज में उप सचिव पद पर कार्यरत पूनम मिश्रा को जिले का नया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) नियुक्त किया गया है। आदेश जारी होने के बाद शिक्षा विभाग में नई तैनाती को लेकर चर्चा तेज हो गई है। वर्तमान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश पटेल का तबादला कर दिया गया है। उन्हें गाजीपुर में वरिष्ठ प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्थानांतरण आदेश के साथ ही जिले में विभागीय स्तर पर प्रशासनिक बदलाव पूरा हो गया है। नवागत बीएसए पूनम मिश्रा के सामने जिले की बेसिक शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जिम्मेदारी होगी। इसमें स्कूलों की निगरानी, शिक्षकों की उपस्थिति,

नामांकन अभियान और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार जैसे कार्य प्रमुख रहेंगे।जिले में कई स्तर पर चल रही योजनाओं की समीक्षा और फील्ड स्तर पर निरीक्षण व्यवस्था को भी गति देने की जरूरत बताई जा रही है। बेसिक शिक्षा विभाग में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की मॉनिटरिंग नए नेतृत्व के तहत होगी। स्कूलों में सुविधाओं की स्थिति, मिड डे मील व्यवस्था और उपस्थिति प्रणाली पर भी ध्यान केंद्रित रहने की संभावना है।

सम्पादकीय

अगले चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में नए सिरे से जिम्मेदारियां तय की जा रही हैं। 2023 में बड़ी जीत के बाद दूसरी बार मुख्यमंत्री बने सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले 2013 से 2018 तक सिद्धारमैया कांग्रेस सरकार में पूरे पांच साल के लिए मुख्यमंत्री थे। बताया जा रहा है कि 2023 में कांग्रेस ने यह तय कर लिया था कि राजस्थान या मध्यप्रदेश जैसी उलझन से बचने के लिए बारी-बारी से दो मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। सिद्धारमैया के बाद डी के शिवकुमार की सबसे सशक्त उम्मीदवार थे, लिहाजा अब यह कमोबेश तय है कि अब तक उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष दोनों की जिम्मेदारी संभालने वाले डीके शिवकुमार ही नए मुख्यमंत्री होंगे। गुरुवार सुबह जब अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ सिद्धारमैया ने नाश्ते पर बैठक की और उसमें डीके शिवकुमार सिद्धारमैया को गले लगाते और उनके पैर छूते हुए भावुक हो गए, तभी यह तय हो गया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में बड़े सहज तरीके और सद्भावनापूर्ण माहौल में मुख्यमंत्री का चेहरा बदला जा रहा है। दरअसल मंगलवार को दोनों नेताओं ने दिल्ली में राहुल गांधी के साथ बैठक की थी, तभी से सुगबुगाहट थी कि कर्नाटक में कांग्रेस कोई बड़ा बदलाव करने जा रही है। कांग्रेस विरोधी मीडिया की बांछें इस पर खिली हुई थीं, क्योंकि उन्हें किसी न किसी तरह कांग्रेस के खिलाफ कोई विवाद तलाशना होता है। उनकी दुकानदारी कांग्रेस को मुश्किल में दिखाने से ही चलती है। इसलिए 2023 से ही डी के शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच दुश्मनी दिखाने वाली कई बेबुनियाद खबरें चलाई जाती रहीं। यह सच है कि कुर्सी के कारण राजनैतिक दलों में बड़े नेताओं के बीच खींचतान चलती है, इस प्रवृत्ति की शिकार अकेली कांग्रेस नहीं है। लेकिन कांग्रेस इस प्रवृत्ति के कारण मुश्किल में इसलिए पड़ जाती है, क्योंकि यहां आंतरिक लोकतंत्र है, नाराज नेताओं को बयान देने की छूट है और पार्टी आलाकमान के खिलाफ बोलकर भी बड़े पदों पर उन्हें बिठाया जाता रहा है, भले फिर पार्टी को इससे नुकसान हो। दूसरी तरफ भाजपा में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की मर्जी के खिलाफ एक पत्ता भी नहीं हिलता है। उनकी मर्जी हुई तो एक नहीं दो-दो बार गुजरात में मुख्यमंत्री और केबिनेट को बदल दिया। महाराष्ट्र में देवेन्द्र फड़नवीस को पहले मुख्यमंत्री बनाया फिर उपमुख्यमंत्री और अब फिर से मुख्यमंत्री बना दिया। असम, मणिपुर, त्रिपुरा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा ऐसे तमाम राज्यों में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर मोदी-शाह की पसंद ही चली और राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर राज्यों के अध्यक्ष बनाने में भी उन्हीं दोनों की मर्जी चलती है। इसलिए जब तक बन पड़ा जे पी नड्डा का अध्यक्षीय कार्यकाल बढ़ाया गया, फिर बिहार की सत्ता पर पकड़ बनानी थी, तो उन्हें हटाकर नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाया गया। अभी गुरुवार को ही पंजाब, दिल्ली, हरियाणा और त्रिपुरा की भाजपा इकाइयों के अध्यक्ष बदले गए हैं। कोई पार्टी किस नेता को क्या जिम्मेदारी सौंपती है, यह उसका आंतरिक मामला होता है। लेकिन भाजपा के प्रभाव में आकर अब मीडिया ने ऐसा नैरेटिव सेट कर दिया है, जिसमें मोदी-शाह पार्टी में कोई भी फेरबदल करें तो वह मास्टर स्ट्रोक हो जाता है और कांग्रेस कोई फेरबदल करे तो उसे पार्टी के अंदरूनी झगड़े का असर बताया जाता है। कर्नाटक में भी यही कहानी चलाने की कोशिश की गई, लेकिन अच्छी बात है कि सिद्धारमैया और डी के शिवकुमार ने इस कहानी पर पहले ही पूर्णविराम लगा दिया। अपने इस्तीफे के बाद सिद्धारमैया ने कहा कि उनके आलाकमान ने जो कहा उन्होंने वो किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'हाई कमान ने मुझसे राज्यसभा में जाने के लिए कहा। लेकिन, मैंने विनम्रतापूर्वक इस प्रस्ताव को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि मेरी राष्ट्रीय राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि, 'मुझे दो बार मुख्यमंत्री के तौर पर और दो बार विपक्ष के नेता के तौर पर सात करोड़ कन्नड़भाषियों की सेवा करने का अवसर मिला। मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आभार व्यक्त करता हूं।' सिद्धारमैया के इस बयान से जाहिर है कि वे दिल्ली नहीं आने वाले हैं और राज्य में ही कांग्रेस को मजबूत करने का काम करेंगे। ध्यान रहे कि कांग्रेस में यह फेरबदल ऐसे वक्त हुआ है, जब वह दक्षिण भारत में सबसे मजबूत स्थिति में है। केरल में उसने बड़ी जीत हासिल की है और तमिलनाडु में छह दशक बाद सत्ता में शामिल हुई है।

नाज़ुक आर्थिक दौर में संरचनात्मक बदलावों का समय

> हालांकि यह पहली बार नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और न ही यह आखिरी बार होगा। भारत जिस समस्या का सामना कर रहा है वह कूटनीतिक पहेली नहीं बल्कि एक मूलभूत आर्थिक और रणनीतिक असुरक्षा है।

भारत को अनुसंधान और नवाचार में निवेश, श्रम उत्पादकता में सुधार, व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत और क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण को सुदृढ़ करना चाहिए। भारत को अनुसंधान और नवाचार में निवेश, श्रम उत्पादकता में सुधार, व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत और क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण को सुदृढ़ करना चाहिए। ये निवेश अर्थव्यवस्था में आवश्यक संरचनात्मक बदलावों को गति दे सकते हैं और वर्तमान संकट से उबरने के दौरान भी दीर्घकालिक विकास को समर्थन प्रदान करेंगे। यह संकट एक ऐसा सबक साबित हो सकता है जो भारत को विकास की गति को बनाए रखने हेतु आवश्यक बदलाव लाने के लिए बाध्य करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सुधारों को नई गति देने पर ध्यान देना समयोचित है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद की साढ़े चार घंटे चली बैठक में हुई चर्चा से लगता है कि मौजूदा आर्थिक स्थिति को देखते हुए कई नये सुधारों का रास्ता खुलेगा। मध्य पूर्व का मौजूदा संकट, होर्मुज़ जलडमरूमध्य में व्यवधान, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल के बाजारों में अस्थिरता आदि अब क्षेत्रीय चिंताएं मात्र नहीं रह गई हैं- ये आपूर्ति में व्यवधान और बढ़ती कीमतों से उत्पन्न वैश्विक आर्थिक झटके बन गए हैं। जापान से लेकर अमेरिका तक, विश्व भर की अर्थव्यवस्थाएं व्यापक आर्थिक अनिश्चितता एवं असुरक्षा से जूझ रही हैं। भारत अपने कच्चे तेल का 80 प्रतिशत से अधिक, एलपीजी का 60 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस 50 फीसदी, उर्वरक 30 फीसदी, हीलियम शत-प्रतिशत और अन्य तेल उप-उत्पादों का आयात करता है। इसमें मध्य पूर्व से 54 फीसदी कच्चा तेल, 90 फीसदी एलपीजी, 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस, 31 प्रश उर्वरक और 50 फीसदी से अधिक हीलियम और ऐसे अन्य उप-उत्पाद प्राप्त होते हैं। वास्तव में ऊर्जा आयात व्यापारिक मार्गों, प्रेषण और प्रवासी भारतीयों के संबंधों के माध्यम से भारत पश्चिम एशिया से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह स्थिति भारत को मध्य पूर्व में किसी भी दीर्घकालिक संघर्ष के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बनाती है। यह उथल-पुथल मुद्रास्फीति, व्यापार संतुलन, राजकोषीय प्रबंधन, औद्योगिक उत्पादन और उपभोक्ता मांग को प्रभावित कर रही है। उल्लेखनीय है कि छह महीने से भी कम समय पहले आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति को 'दुर्लभ स्वर्णिम काल' (रेयर गोल्डी लॉक पीरियेड) बताया था- एक ऐसी आर्थिक स्थिति जहां अर्थव्यवस्था 'न तो बहुत गर्म है और न ही बहुत ठंडी' होती है। यह नाम बच्चों की कहानी 'गोल्डिलॉक्स एंड द थ्री बेयर्स' (गोल्डिलॉक्स और तीन भालू) से लिया गया है। इसका प्रयोग 'बिल्कुल सही' स्थिति का वर्णन करने के लिए किया जाता है। उस समय असाधारण रूप से उच्च आर्थिक विकास के साथ-साथ उल्लेखनीय रूप से कम मुद्रास्फीति का दौर चल रहा था, लेकिन भू-राजनीतिक घटनाओं के तेजी से बदलते स्वरूप और वैश्विक स्तर पर झटकों के कारण स्थिति में नाटकीय रूप से बदलाव आया है। भारत में थोक मुद्रास्फीति अप्रैल 2026 में ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण तेजी से बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गई। खुदरा मुद्रास्फीति 3.48 प्रति सैकड़ा तक पहुंच गई है। 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर तेल की कीमतें स्थिर रहने से मुद्रास्फीति का दबाव और बढ़ जाएगा। तेल की बढ़ती कीमतों का प्रभाव भारत तक ही सीमित नहीं है। दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में से एक जापान में अप्रैल 2026 में पिछले तीन वर्षों में सबसे तेज थोक मुद्रास्फीति दर्ज की गई। थाईलैंड, फिलीपींस और कई अन्य दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाएं गंभीर स्थिति में हैं। हालांकि शुरुआत में निर्यात में वृद्धि देखी गई लेकिन होर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास परिवहन में बाधा ने व्यापार प्रवाह को प्रभावित करना शुरू कर दिया है जिससे खाद्य पदार्थों, निर्मित वस्तुओं और औद्योगिक इनपुट की कीमतें बढ़ गई हैं। उपभोग कमजोर हो रहा है, यात्रा और पर्यटन बाधित हैं और वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ गया है। सवाल यह है कि भारत को वर्तमान संकट का प्रबंधन कैसे करना चाहिए? जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है- 'ऊर्जा सुरक्षा आर्थिक सुरक्षा का आधार है।' नवीकरणीय ऊर्जा- सौर, पवन, परमाणु, हरित हाइड्रोजन और जलविद्युत को बढ़ावा देकर ऊर्जा सुरक्षा को 'मिशन मोड' में लाना होगा। भारत को अनुसंधान और नवाचार में निवेश, श्रम उत्पादकता में सुधार, व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत और क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण को सुदृढ़ करना चाहिए। ये निवेश अर्थव्यवस्था में आवश्यक संरचनात्मक बदलावों को गति दे सकते हैं और वर्तमान संकट से उबरने के दौरान भी दीर्घकालिक विकास को समर्थन प्रदान करेंगे। यह संकट एक ऐसा सबक साबित हो सकता है जो भारत को विकास की गति को बनाए रखने हेतु आवश्यक बदलाव लाने के लिए बाध्य करेगा। इसके अलावा सेमीकंडक्टर, उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात प्रतिस्थापन से बाहरी निर्भरता को कम किया जा सकता है। उच्च विकास वाली प्रौद्योगिकी और मूल्य वर्धित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने से संयुक्त रूप से बीस खरब डॉलर के वस्तु और सेवा निर्यात के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

जीएन बाजपयी-दीपाली गर्ग

सिर्फ सत्ता पक्ष को ...

बादल सरोज

उदन्त मार्तण्ड से लुप्त मेरुदण्ड तक हिंदी पत्रकारिता के दो सौ बरस

उदंत मार्तंड अंग्रेजी राज के चरमोत्कर्ष के समय उन दिनों की उसकी राजधानी कलकत्ता से निकलता था और दो वर्ष तक - जब तक वह आर्थिक संकट के चलते बंद नहीं हुआ तब तक- चलता रहा। आज असहमत अखबार या प्रकाशन संस्थान का चल पाना असंभव बना दिया गया है। आज प्रेस स्वतंत्रता रसातल में पहुंच चुकी है। यूं तो हाल के लगभग डेढ़ दशक भारतीय प्रेस- विशेषकर हिंदी भाषी प्रेस- के धीरे-धीरे तेज से तेजतर हुए पराभव और गिरावट के बरस हैं । मगर पिछले दो ढाई महीने, ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद के पिछले दो ढाई महीने, कुछ ज्यादा ही तेजी से हुए पतन के महीने हैं। इनके विस्तार में जाए बिना सिर्फ बीते सप्ताह के हिंदी अखबारों की मुख्य खबरों पर ही नजर डालने से ही स्थिति स्पष्ट हो जाती है। अभी हाल में मोदी विदेश दौरे से लौटे हैं: कायदे से तो प्रेस का काम था कि वह पांचों देशों की यात्रा के कारणों और परिणामों का विश्लेषण करती। मगर बजाय उसका ध्यान किन बातों पर रहा? नार्वे की एक युवा पत्रकार के प्रश्न पूछने की कोशिश भर से प्रधानमंत्री मोदी के लगभग भागने की खबर पर सिर्फ नार्वे ही नहीं दुनिया भर के मीडिया में मजाक उड़ा: भारत की हिंदी पत्रकारिता के वीर पूरी ताकत से उस युवा पत्रकार के ऐसा पीछे पड़े कि सारी मर्यादाएं तोड़कर चरित्र हनन तक आ गए। इससे भी ज्यादा हल्कापन इटली की प्रधानमंत्री मिलोनी को मेलोडी चॉकलेट खिलाने के प्रधानमंत्री मोदी के हद दर्जे के बचपने के कवरेज में दिखी। लाखों युवाओं सहित उनके परिवारों की जिन्दगी में भूकंप ला देने वाले नीट और सीबीएसई घोटाले की जांच परख, उत्तरदायित्व का निर्धारण प्रेस का काम था- बजाय ऐसा करने के अखबार या तो दोषियों की ढाल बने दिखे या जैसे कुछ हुआ ही नहीं केभाव में नजर आये। ठीक यही रुख सोना न खरीदने, घर में बंद रहने, पेट्रोल और खाने का तेल कम करने की मोदी की सुधार सप्तपदी को लेकर दिखा। हालांकि इसमें नया कुछ नहीं है, पिछले डेढ़ दशक से यही गत बनी हुई है- आज इसे याद करने की वजह यह है कि इस 30 मई 2026 को हिंदी पत्रकारिता के 200 बरस पूरे कर रही है। वर्ष 1826 में इसी दिन कलकत्ता से पण्डित जुगल किशोर शुक्ला कानपुर वालों ने उदंत मार्तंड नाम का, हिंदी का पहला, अखबार निकाला था। अंग्रेजी, फ़ारसी, उर्दू वगैरा भाषाओं में अखबार इससे पहले भी निकलते थे। छापा खाना- प्रिंटिंग प्रेस- वर्ष 1674 में ही बॉम्बे में कायम हो चुकी थी। इस प्रेस से बंगाल गज़ट वगैरा अखबारों के छपने का सिलसिला भी शुरू हो चुका था। मगर हिंदी अखबार के निकलने में 150 साल लग गए - मजेदार बात यह है कि उसका भी प्रकाशन उस बंगाल से हुआ जिसकी भाषा हिंदी नहीं थी। खैर इतिहास ऐसे विस्मयकारी संयोगों से भी मिलकर बनता बिगड़ता है। मगर मूलतः होता सबक लेने के लिए है। यही वजह है कि इस तरह की तिथियां वह अवसर होती हैं जब धीरज से बैठकर अब तक के किये अनकिये को सूत्रबद्ध किया जाए। ऐसे सबक लिए जायें जो आने वाले समय में बेहतरी की उम्मीद जगाते हों। इन दिनों हिंदी भाषी समाज इतिहास से सबक लेने की आदत छोड़कर ऐतिहासिक तिथियों को उत्सव बनाने की कला में सिद्ध हो चुका है। ऐसा ही इस द्विशताब्दी वर्षगांठ के साथ भी होगा, असल में तो होना शुरू भी हो चुका है। 30 मई को यह उरूज पर पहुंचेगा और जिनकी लेखनी और बोलनी दोनों अशुद्धियों से भरी है ऐसे अनेक महानुभाव, जिन्होंने इसे आज की गत पर पहुंचाया है वे ही सुधार के प्रवचन देते हुए नजर आयेंगे। इन 200 बरस में इसका कितना और क्या योगदान रहा, कितनी नीचाई पाई, कितना उत्थान रहा इस पर चर्चा से बचने के हर तरीके ढूंढें जायेंगे। 200 साल पहले पहली बार निकले अखबार, उदन्त मार्तंड का घोषित उद्देश्य हिन्दुस्तानियों के हित सामने लाना और राष्ट्रीय चेतना का संचार करना था। इसमें दो मत नहीं कि अधिकांश अखबारों का स्वामित्व अंग्रेज या देशी धनाढ्यों के हाथ में रहने के बावजूद प्रेस ने उस कालखंड में भी भारत की जनता को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निबाही। स्वतंत्रता संग्राम में समाचार पत्रों की भूमिका उल्लेखनीय थी। भारत की आजादी का समर्थक हर नेता और एक्टिविस्ट पत्रकार और सम्पादक भी हुआ था। उसके अखबार प्रतिबंधित भी हुआ करते थे।

कई समाचारों में ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

सामने आ रहे हैं लिव-इन रिलेशनशिप के दुष्परिणाम

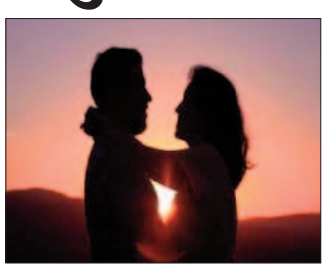

भारत सहित विश्व के अनेक देशों में पिछले कुछ वर्षों के दौरान लिव-इन रिलेशनशिप (Live-in Relationship) का चलन तेजी से बढ़ा है। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण, आर्थिक स्वतंत्रता, शिक्षा के विस्तार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती अवधारणा ने इस व्यवस्था को समाज के एक वर्ग में स्वीकार्यता दिलाई है। लिव-इन रिलेशनशिप का मूल विचार यह है कि दो वयस्क बिना विवाह के एक साथ पति-पत्नी की तरह रहें और अपने संबंध को आगे बढ़ाने या परखने का अवसर प्राप्त करें। इसके समर्थक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और आधुनिक जीवन का हिस्सा मानते हैं। किंतु हाल के वर्षों में देश के विभिन्न भागों से सामने आ रही घटनाओं ने इस व्यवस्था के कई नकारात्मक पहलुओं को भी उजागर किया है। हत्या, आत्महत्या, मानसिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण, विश्वासघात, कानूनी विवाद और बच्चों के भविष्य से जुड़े प्रश्न लगातार चर्चा का विषय बन रहे हैं। ऐसे में लिव-इन रिलेशनशिप के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और कानूनी प्रभावों पर गंभीर चिंतन आवश्यक हो गया है। लिव-इन रिलेशनशिप की सबसे बड़ी चुनौती इसकी अस्थिरता मानी जाती है। विवाह एक सामाजिक, कानूनी और सांस्कृतिक संस्था है जिसके साथ जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं का स्पष्ट ढांचा जुड़ा होता है। इसके विपरीत लिव-इन संबंधों में अक्सर यह स्थायित्व और स्पष्टता नहीं होती। जब संबंध केवल पारस्परिक सहमति पर आधारित होता है और उसे समाप्त करने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत सरल होती है, तब कई बार दोनों पक्षों में दीर्घकालिक जिम्मेदारी की भावना कमजोर पड़ जाती है। परिणामस्वरूप संबंधों में असुरक्षा, अविश्वास और अनिश्चितता का वातावरण पैदा हो सकता है। यही कारण है कि अनेक मामलों में कुछ समय बाद संबंध टूट जाते हैं और दोनों पक्ष भावनात्मक संकट का सामना करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव भी चिंता का विषय हैं। किसी भी घनिष्ठ संबंध में भावनात्मक निवेश अत्यधिक होता है। यदि संबंध अचानक टूट जाए या किसी एक पक्ष द्वारा विश्वासघात किया जाए तो उसका गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। अवसाद, तनाव, चिंता, अकेलापन और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएँ सामने आ सकती हैं। कई समाचारों में ऐसे मामले सामने आए हैं जहाँ संबंध विच्छेद के बाद युवाओं ने आत्महत्या जैसे कदम उठाए या गंभीर मानसिक आघात का सामना किया। यह स्थिति बताती है कि केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है, बल्कि भावनात्मक परिपक्वता और जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है।

जरा हटके

हमारे गांव में कस्बे...

बाबा मायाराम

साइकिल की सवारी में बेहतरी हमारी

गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से चलते थे। संस्था की ओर से सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) संचालित किया जाता था। यह हमारे लिए अनोखा था। इसमें कार्यकर्ता की साइकिल में टंगे दो झोले होते थे, उनमें किताबें भरी होती थीं। गांवों की चौपालों पर किताबें फैला दी जाती थीं,और फिर गांव के बच्चे, वयस्क और बड़े किताबें उलटते पलटते थे, और पढ़ने के लिए किताबें ले जाते थे। वैश्विक स्तर पर तेल के संकट को देखते हुए साइकिल की सवारी ही सबसे बेहतर है। यह न केवल हमें तेल संकट से बचाती है, बल्कि प्रदूषण से भी निजात दिलाती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बेहतर है और दुर्घटनाओं से भी बचाती है। जून के पहले सप्ताह में विश्व साइकिल दिवस भी है। आज इस कॉलम में इस पर ही बात करना चाहूंगा, जिससे हम आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ सकें। अगर मैं बचपन को याद करूं तो उस समय मोटर साइकिल और कार बहुत कम थीं। अधिकांश लोग पैदल और बैलगाड़ी से चलते थे। कुछ लोगों के पास ही साइकिल हुआ करती थी। साइकिल दुकानों से किराये पर मिलती थीं। प्रति घंटे के हिसाब से किराया लिया जाता था। साइकिल दुकानों पर मरम्मत करवाने वालों की भीड़ लगी रहती थी। हमारे घर भी हरक्यूलिस साइकिल थी, यह पुरानी थी, जिसे मेरे पिताजी ने उनके किसी मित्र से खरीदा था। मैंने भी उसी साइकिल से चलाना सीखा। उस दौर में सड़कों पर साइकिलें दिखा करती थीं। किसान, अपना अनाज बाजार ले जाकर बेचते थे, पशुपालक घास का गट्ठर ले जाते थे। दूध वाले, सब्जी वाले, लाते ले जाते थे, बेचते थे। दूरदराज के गांवों में शहर में रहने वाले शिक्षक भी साइकिल से स्कूल जाते थे। सरकारी बसें चलती थीं, पर दिन में एक दो ही बार। वह भी बहुत लेट होती थीं। अगर कहीं जाना होता था, तो कई-कई घंटे बस के इंतजार में बैठना पड़ता था। बसों से आने-जाने वाले यात्रियों को देखकर कौतूहल होता था। गांवों में वैसी भी जीवन की गति धीमी होती है, ऐसे में कोई भी नया व्यक्ति बस से आता था तो उसकी चर्चा होती थी। साप्ताहिक बाजार, जो हमारे पास के कस्बे में शुक्रवार को लगता था, उस दिन सड़कों पर गठरियां लेकर चलने वाले लोगों को देखना अच्छा लगता था। रंग-बिरंगे कपड़ों में कतारबद्ध रैला चलता रहता था। बैलगाड़ियों की चूं चर्र... की आवाजें सुनाई पड़ती थीं। मेहमानी व रिश्तेदारी में लोग पैदल आया जाया करते थे। शादी-विवाह या बारातों में बैलगाड़ी का उपयोग किया जाता था। साइकिल व बैलगाड़ी, नदी या कुओं से पानी भरने के काम भी आती थीं। हमारे गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से चलते थे। संस्था की ओर से सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) संचालित किया जाता था। यह हमारे लिए अनोखा था। इसमें कार्यकर्ता की साइकिल में टंगे दो झोले होते थे, उनमें किताबें भरी होती थीं। गांवों की चौपालों पर किताबें फैला दी जाती थीं, और फिर गांव के बच्चे, वयस्क और बड़े किताबें उलटते पलटते थे, और पढ़ने के लिए किताबें ले जाते थे। मेरे लिए भी किताबों की दुनिया यहीं खुली थी। दूध वाले, गांव से दूध एकत्र कर शहर ले जाते थे। वे घर-घर से दूध इका करते थे, और फिर साइकिल से नजदीकी रेलवे स्टेशन जाते थे, वहां से ट्रेन से बड़े शहर दूध बेचने जाते थे। और शाम को वापस उसी ट्रेन से वापस आ जाते थे। स्कूली विद्यार्थी भी हाईस्कूल की कक्षाओं में पढ़ने के लिए साइकिल से जाते थे। साइकिल की दुकानें ज्यादा नहीं थीं, इसलिए घरों में ही साइकिल मरम्मत का सामान हुआ करता था। हवा भरने के लिए पंप, पिचिंस, पाना इत्यादि। अगर जब कभी साइकिल पंचर हो जाती थी, तो घर पर ही पंचर बना लेते थे। अक्सर हमें स्कूल जाते समय ही पता चलता था कि साइकिल पंचर है, तो जल्दी-जल्दी पंचर बनाते थे। आजकल सरकार स्कूली बच्चों के लिए निशुल्क साइकिल वितरण करती है। यह बहुत ही अच्छी योजना है। यह कई राज्यों में है। जब भी स्कूली बच्चों को साइकिल चलाते देखते हैं, तो एक अलग ही तरह का सुखद एहसास होता है। ऐसे दृश्य हमें रोमांचित करते हैं।

विशेषकर, यह लड़कियों के लिए तो आजादी की प्रतीक है। उनके लिए आने-जाने के लिए यह बहुत ही सुविधाजनक है। 90 के दशक में साक्षरता अभियान के दौरान साइकिल से पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला काफी चल रहा था। हमारे गांव में स्वैच्छिक संस्था के कार्यकर्ता रात्रिकालीन शालाएं लगाते थे। बिना पढ़े-लिखे लोगों को पढ़ाने आते थे, वह भी साइकिल से आते थे। शुक्रवार के दिन इसी संस्था की एक महिला डॉक्टर साइकिल से गांव आती थीं और एक ग्रामीण के आंगन में बैठकर गांव के लोगों की छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज करती थीं। इस कार्यक्रम का नाम जरूरी दवाई सुविधा रखा गया था। गांव में किसी महिला को साइकिल चलाते देखना कौतूहल जगाता था। क्योंकि एक तो लोग उस समय साइकिल ही कम चलाते थे, और महिलाएं तो बिलकुल भी साइकिल नहीं चलाती थीं। डाकिया और पेपर बांटने वाला तो रोज ही साइकिल से आते जिनका सभी को इंतजार रहता है। इनकी पहचान ही साइकिल से होती है। डाकिया, तो दूर-दराज के गांवों में साइकिल से आता जाता था।

हमारे गांव में कस्बे से वही डाक लाता था। मुझे याद है, जब मैं गांव में था, डाकिया के साइकिल की घंटी से ही मैं समझ जाता था कि डाकिया आया है, कौतूहल से भर जाता था। अगर कोई पोस्टकार्ड आता था, तो बड़े जतन से कई दिनों तक रखते थे। ई-पेपर पहुँच लगातार तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं और तेल के भंडार खत्म होने की कगार पर हैं।

आंधी-बारिश में दीवार ढही, छात्र की मौत

तूफान

पेड़ उखड़कर सड़क पर गिरा, जगह-जगह रोड पर पानी भरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में आंधी-बारिश में रहीमाबाद क्षेत्र में दीवार ढह गई। उसके नीचे दबकर क्लास-3 के छात्र की मौत हो गई। मोहान रोड पर देवपुरी कॉलोनी के पास पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर गया। हजरतगंज चौराहा समेत कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। हजरतगंज में तेज आंधी की वजह से होर्डिंग फट गई। लखनऊ में दोपहर करीब 3 बजे मौसम बदला। काले बादल छा गए। करीब 40 किलोमीटर के रफ्तार से आंधी चलने लगी। शाम करीब साढ़े 4 बजे हजरतगंज, कैसरबाग, सरोजनी नगर समेत कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने रात में भी गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। लोगों को पेड़-खंभे और होर्डिंग के

नीचे नहीं खड़े होने की सलाह दी है। इसके पहले सुबह मौसम साफ रहा। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना है। शनिवार को अधिकतम तापमान तापमान 34.0 डिग्री रहा। यह सामान्य से 6.1 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सामान्य से 1 डिग्री कम दर्द किया गया। अधिकतम आर्द्रता 79 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 47 फीसदी रही। दीवार के मलबे में दबने से अनमोल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी चीख-पुकार सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद उसे मलबे से बाहर निकाला।

- तेज आंधी की वजह से बाइक सवारों का बैलेंस बिगड़ने लगा। वे सड़क के किनारे रुक गए।
- आंधी-बारिश के बीच मोहान रोड पर पेड़ उखड़कर गिर गया।

मोहान रोड पर विशाल पेड़ उखड़कर गिर गया

मोहन रोड पर देवपुरी कॉलोनी के पास विशाल पेड़ उखड़कर गिर गया। गनीमत रही कि कोई राहगीर पेड़ की चपेट में नहीं आया। वरना बड़ा हादसा हो जाता। पेड़ गिरने से लखनऊ-मोहान रोड पर वाहनों की आवाजाही रूक गई। यातायात पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की अपील की।

हजरतगंज चौराहे पर पानी भरने से वाहनों की रफ्तार धीमी हुई

हजरतगंज चौराहे पर तेज बारिश से सड़क पर पानी भर गया है। जलभराव के कारण गुजरने वाले वाहनों के पहियों से पानी की ऊंची बौछारें उठ रही हैं, जिससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन धीमी गति से चलते नजर आए।

आनन-फानन में अनमोल को माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

दीवार गिरने से 10 साल के छात्र की मौत

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गोपालपुर मजरा इशूखेड़ा निवासी सुरेश का 10 वर्षीय बेटा अनमोल घर के बाहर बारिश में नहाने निकला था। इसी दौरान वह आरसीसी सड़क किनारे बारिश का आनंद ले रहा था। बताया जा रहा है कि तेज आंधी और बारिश के चलते उसके घर के बाहर बनी एक छोटी दीवार अचानक भरभराकर उसके ऊपर गिर गई।

जोमैटो डिलीवरी बॉय दंपत्ति और बेटी को पीटा

कहासुनी के बाद लेकर आया 15-20 लोगो, युवती का सिर फटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र में एक युवती ने जोमैटो डिलीवरी बॉय और उसके साथियों पर घर के बाहर आकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। हरदोई जिले की रहने वाली अंजली कन्नौजिया गोमतीनगर के विकल्पखंड स्थित मकान में परिवार के साथ रह रही हैं। अंजली के मुताबिक 30 मई की सुबह करीब 8:30 बजे वह अपने पिता मनोज कुमार के साथ घर के बाहर खड़ी थीं। इसी दौरान कुछ युवक, जो जोमैटो में काम करते हैं, वहां खड़े होकर नशा कर रहे थे। पिता ने इसका विरोध किया तो युवकों ने गाली-गलौज और हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि एक युवक सूरज, जो यूपी-32 जेसी-1871 नंबर की बाइक से ऑर्डर डिलीवरी करने आया था, वहां से चला गया और करीब 15 से 20 मिनट बाद 15-20 साथियों के साथ वापस पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने अंजली के पिता मनोज कुमार और मां रेनू के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची अंजली भी हमले की चपेट में आ गई। मारपीट में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी और सिर फट गया। आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने चिनहट थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है।

फास्ट न्यूज

11वीं के छात्र की सड़क हादसे में मौत

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र में शनिवार रात सड़क हादसे में 11वीं के छात्र की मौत हो गई। उसका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रात करीब 10 बजे सेक्टर-25 इलाके में हुआ। कल्याणपुर निवासी अनास अपनी यामाहा R 1-5 स्पोर्ट्स बाइक से मौसेरे भाई अयान के साथ मुंशी पुलिया की ओर जा रहा था। इसी दौरान सेक्टर-25 के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने लगाई फांसी

लखनऊ। लखनऊ में बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने दुपट्टे के सहारे फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान प्रदीप कुमार (30) पुत्र गिरधारी लाल निवासी छठा मील के रूप में हुई है। वह हजरतगंज स्थित एक पैथोलॉजी में काम करता था। परिवार में पत्नी रितु और एक बेटा है। परिजनों के मुताबिक, प्रदीप और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को निकाला

दुबग्गा। पारा थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का एक मामला सामने आया है। एक विवाहिता ने अपने पति, सास, नानी सास और मौसी सास पर दहेज की मांग पूरी न होने पर लगातार मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना देने, मारपीट करने तथा घर से निकाल देने का आरोप लगाया है।

पीड़िता की तहरीर पर पारा पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कॉर्पियो से भाग रहा था, पीछे थी पुलिस, नाले में गिरने के बाद गिरफ्तार

अयोध्या के हिस्ट्रीशीटर की लखनऊ में गाड़ी पलटी

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब। अयोध्या के कुमारगंज थाना क्षेत्र में हमले और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित हिस्ट्रीशीटर रोहन सिंह को पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। रोहन स्कॉर्पियो से भागने की कोशिश कर रहा था, तभी अयोध्या पुलिस ने लखनऊ में घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। वह स्कॉर्पियो से भाग रहा था और पुलिस टीम उसका पीछा कर रही थी। तभी महिंगवा क्षेत्र में उसकी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक नाले में पलट गई। हादसे के बाद रोहन वाहन से निकलकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। इस गिरफ्तारी में लखनऊ

गाड़ी सड़क किनारे नाले में पलट गई। पलटते समय आरोपी बच निकला और पैदल ही भागने लगा।

की बीकेटी, महिंगवा और सैरपुर पुलिस ने भी अयोध्या पुलिस का सहयोग किया। शिवम की मां नीलम पांडेय की तहरीर पर पुलिस ने रोहन सिंह, हिमांशु और 4 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस रोहन सिंह की तलाश कर रही थी। शनिवार को पुलिस को रोहन सिंह की लोकेशन लखनऊ में मिली।

पहले पिता फिर बेटे पर किया जानलेवा हमला

यह मामला कुमारगंज थाना क्षेत्र के पूरे विंध्या पांडेय गांव निवासी शीतला प्रकाश पांडेय की शिकायत से जुड़ा है। उन्होंने बताया था कि 21 मई की शाम वह घर पर भोजन कर रहे थे, तभी खंडासा क्षेत्र के अंजरौली पूरे बेड़ियन गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर रोहन सिंह अपने साथियों के साथ पहुंचा और उन पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने जिले के प्रभारी मंत्री सूर्यप्रताप शाही से भी शिकायत की थी। इसके कुछ समय बाद ही मंगलवार को पीड़ित के बेटे शिवम पांडेय पर जानलेवा हमला कर दिया गया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर निकली जागरूकता रैली

मद्य निषेध विभाग ने तम्बाकू और गुटखा सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर शनिवार को मद्य निषेध विभाग द्वारा जनजागरूकता रैली एवं पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तम्बाकू, गुटखा और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों एवं दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। रैली के माध्यम से आमजन को यह संदेश दिया गया कि तम्बाकू और गुटखा जैसे नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। विभाग ने लोगों से स्वस्थ, जागरूक और

नशामुक्त जीवन शैली अपनाने की अपील की। जागरूकता रैली का आयोजन प्रातः 7:30 बजे क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी कार्यालय, 27 अशोक मार्ग, लखनऊ से शुरू हुआ। यह पदयात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थित जीपीओ पार्क, हजरतगंज चौराहा तक पहुंची। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने तम्बाकू निषेध और नशामुक्ति से संबंधित संदेशों वाले बैनर एवं तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। रैली को राज्य मद्यनिषेध अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवी संगठनों के कार्यकर्ताओं तथा आम नागरिकों सहित लगभग 300 लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने तम्बाकू और गुटखा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान बताया गया कि तम्बाकू और गुटखा का सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों तथा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण बनता है।

आज और कल 19 ट्रेनें चारबाग नहीं आएंगी

स्टेशन पर कॉनकोर्स निर्माण के चलते 74 गाड़ियां प्रभावित

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर कॉनकोर्स निर्माण कार्य के चलते आज और 1 जून को 6-6 घंटे का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया गया है। इस दौरान कुल 74 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इनमें 19 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है, जो अब चारबाग रेलवे जंक्शन नहीं आएंगी, जबकि 55 ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में बदलाव किया गया है। बता दें कि 29 मई को प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर टिन शेड गिरने की घटना के बाद रेलवे ने एहतियातन यह कदम उठाया है। 31 मई और 1 जून को चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 5 पर सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक कोई ट्रेन नहीं आ सकेगी। इसी दौरान

प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर 23 जून तक पूरी तरह ट्रेनों का संचालन बंद रहेगा, जबकि प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर प्रतिदिन 6 घंटे का आंशिक ब्लॉक रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि असुविधा से बचने के लिए यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों की लाइव स्थिति और सही प्लेटफॉर्म की जानकारी अवश्य जांच लें। यह जानकारी रेलवे की वेबसाइट, NTES ऐप और हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से ली की जा सकती है।

2 जगह मुठभेड़, 3 बदमाशों को गोली मारी

दिल्ली के 2 चेन स्नेचर गिरफ्तार, लड़की से छेड़खानी करने वाला लंगड़ाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर और विकासनगर में शनिवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच 2 मुठभेड़ हुईं। कृष्णानगर में पुलिस से दिल्ली के 2 स्नेचर्स की मुठभेड़ हो गई। वहीं, विकासनगर में पुलिस ने युवती से छेड़खानी करने वाले के पैर में गोली मारी है।

तीनों बदमाश मुठभेड़ के बाद लंगड़ाते हुए चले। दोनों चेन स्नेचर्स के खिलाफ उन्नाव, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर समेत कई जिलों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरे हाफ एनकाउंटर में शहर के थाना हुसैनगंज क्षेत्र की केकेवी कॉलोनी, महावीर पुरी के सनी यादव को गोली लगी। उस पर हाल ही में छेड़खानी का मुकदमा दर्ज हुआ है। घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीमों ने

करीब 200 से अधिक CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली।

साथ ही इलेक्ट्रॉनिक और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। जांच में एक अंतरराज्यीय गैंग की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने बदमाशों की तलाश तेज कर दी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन, लूटा गया बैग, दो तमंचे, जिंदा कारतूस और खोखा, वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की।

दोनों ने लूट और चेन स्नेचिंग करने की बात कबूली

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी 23 वर्षीय रोहन उर्फ गुड्डू और 21 वर्षीय साहिल के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने कृष्णानगर क्षेत्र में हुई लूट और चेन स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

वहीं, साहिल के खिलाफ उन्नाव और गौतमबुद्धनगर में चोरी और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस चेकिंग देख फायरिंग कर भागने लगे बदमाश

कृष्णानगर में मानसनगर रोड पर आसाराम बापू आश्रम के पास से रात करीब 1 बजे दोनों चेन स्नेचर बाइक से जा रहे थे। पुलिस को चेकिंग लगाए देख बाइक बैक कर तेजी से भागने लगे। इस दौरान पुलिस पर फायरिंग भी की। कुछ ही कदम जाकर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर पड़ी। दोनों ने पुलिस पर फिर से फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों के पैरों में गोली लगी। एक बदमाश के दाहिने और दूसरे के बाएं पैर में गोली लगी है। दोनों बदमाशों की उम्र 21 और 23 साल है। यहां रहकर वे महिलाओं से चेन स्नेचिंग करते थे।

लूटी गई ज्वेलरी और नकदी पास में रखी थी

कृष्णानगर थाना पुलिस और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम के साथ बदमाशों की यह मुठभेड़ हुई। दोनों बदमाशों के पास से लूटी गई ज्वैलरी, नगदी, अवैध तमंचे और लूट में इस्तेमाल की गई बाइक मिली है। उसी बाइक से दोनों जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, 28 मई को कुंदन विहार निवासी रामबाबू चौरसिया का बैग छीना था।

थाना प्रभारी की गाड़ी पर फायरिंग की

विकासनगर इलाके की एक युवती ने 34 साल के सनी यादव नाम के युवक पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। वह कई दिनों से फरार था। शनिवार शाम वह पुलिस घिर गया। टेढीपुलिया के पास उसके होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची थी। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया कि आरोपी को पकड़ने की कोशिश की गई थी तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। पहली गोली विकासनगर थाना प्रभारी की गाड़ी पर लगी। दूसरी गोली जीएसआई परिसर की तरफ गई। पुलिस ने अपनी सुरक्षा में फायरिंग की, जो आरोपी सनी यादव के पैर में लगी।

वारदात : डेढ़ साल पहले हुई थी शादी, चाचा बोले- स्कॉर्पियो के लिए पति-ससुर ने हत्या की

नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज क्षेत्र में नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुरालवालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही स्कॉर्पियो की मांग की जाने लगी। उसके पति-ससुर, ननदों और बुआ सास ने हत्या कर दी। मृतका की पहचान मानसी (23) पत्नी सागर राजपूत के रूप में हुई। वह झव्वारन काला फाटक की रहने वाली थी। करीब डेढ़ साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसका 6 माह का बेटा है। मायका कानपुर के टीपीनगर बगाही में है। उसके चाचा सुनील कुमार वर्मा ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने बताया- करीब 1 साल पहले सागर ने दहेज में मिला सारा सामान तोड़फोड़ कर बिखेर दिया

था। रात करीब 2 बजे भतीजी का कॉल आया था। उसने वीडियो कॉल पर पूरी घटना बताई थी और बचाने की गुहार लगाई थी। चाचा अविनाश ने बताया- वीडियो कॉल पर घर में सारा सामान टूटा-फूटा देखने के बाद दूसरे नंबर से मैंने सागर को कॉल किया था। वह एकदम सामान्य तरीके से बोलने लगा- ऐसा तो कुछ भी नहीं हुआ है। तब उसको मैंने बताया कि वीडियो कॉल पर सब देखा है। इस पर उसने हमारी भतीजी को बेवकूफ बोलकर कॉल काट दिया था। इसके बाद परिवार के लोग लखनऊ आए थे और समझा-बुझाकर चले गए थे।

चाचा ने बताया- हैसियत के अनुसार खूब गिफ्ट दिया

सुनील ने शिकायत में बताया है कि उन्होंने अपनी भतीजी मानसी की शादी 9 दिसंबर 2024 को सागर राजपूत से की थी। शादी में हैसियत के अनुसार करीब सात लाख रुपए नकद, तिलक और अन्य घरेलू सामान दिया गया था।

बावजूद इसके पति सागर, ससुर राजेश, ननदोई अनु, ननदें बरखा और चांदनी और बुआ सास आशा अतिरिक्त दहेज की मांग करते थे। स्कॉर्पियो न मिलने पर मानसी को प्रताड़ित करते थे। लखनऊ में पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर मौजूद चाचा अविनाश राजपूत ने बताया- शादी के दो-तीन महीने तक सब ठीक रहा। इसके बाद रोजाना मारपीट शुरू हो गई। उसका पति सागर अचानक घर छोड़कर भाग जाता था। इस पर उसके पिता से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सागर को फोन मत किया करो, वह कहीं भी जाए।

कई बार फोन पर प्रताड़ना की जानकारी दी

मायकेवालों का आरोप है कि विवाहिता ने कई बार फोन कर ससुराल में हो रही प्रताड़ना की जानकारी दी थी। इसके बाद परिवार के लोग कई बार लखनऊ आकर दोनों पक्षों में समझौता कराने का प्रयास भी करते रहे। उसे यह कहकर समझाते रहे कि नई शादी है, समय के साथ हालात सुधर जाएंगे। चाचा सुनील कुमार वर्मा ने बताया- शनिवार को रिश्तेदारों के माध्यम से सूचना मिली कि उनकी भतीजी ने फांसी लगा ली है। लेकिन, ऐसा नहीं था, दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने उसकी हत्या की है।

उत्तर प्रदेश को चार वर्ष बाद मिला स्थायी पुलिस प्रमुख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को चार वर्ष बाद पुलिस महानिदेशक मिला है। अभी तक कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक की भूमिका में काम कर रहे 1991 बैच के आईपीएस अफसर राजीव कृष्णा अब स्थायी पुलिस महानिदेशक हो गए हैं। राजीव कृष्णा पिछले एक वर्ष से कार्यकारी पुलिस महानिदेशक बने हुए थे। राजीव कृष्णा की नियुक्ति का आदेश अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद ने जारी किया। राजीव कृष्णा के पास निदेशक सतर्कता अधिष्ठान का भी चार्ज रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वसनीय अफसर के नाम पर मुहर लगा दी है। संघ लोक सेवा आयोग से भेजे गए पैनल पर शासन स्तर पर गहन मंथन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजीव कृष्णा के नाम के प्रस्ताव को अपनी अंतिम मंजूरी दे दी है। मुकुल गोयल के मई 2022 से पद से हटने के बाद अब यूपी पुलिस को पूर्णकालिक डीजीपी मिला है।

ग्रामीण रोजगार को मिलेगी नई मजबूती

125 दिन की रोजगार गारंटी बनेगी वरदान : केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (जी राम जी) एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम है। यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार करने, आजीविका को सुदृढ़ बनाने तथा प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि इस अभिनव अधिनियम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्वरोजगार एवं कौशल विकास को नई गति प्राप्त होगी तथा आय सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। यह अधिनियम केवल आर्थिक प्रगति का माध्यम नहीं है, बल्कि "विकसित भारत" के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का एक प्रभावी अभियान भी है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 के माध्यम से ग्रामीण श्रमिक परिवारों को अब और अधिक रोजगार सुरक्षा प्रदान की जा रही है। प्रदेश में रोजगार की गारंटी को मजबूत करते हुए अधिनियम के अंतर्गत कार्य दिवसों की सीमा बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि, आजीविका सशक्तिकरण तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बांके बिहारी मंदिर में कई किमी लंबी लाइन, गोवर्धन में 24 घंटे में 10 लाख ने की परिक्रमा

वृंदावन की गलियां श्रद्धालुओं से जाम, 5 लाख लोग पहुंचे

सैलाब

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में रविवार को सुबह छह बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा पर गोवर्धन में आस्था का सैलाब उमड़ा है। 21 किलोमीटर लंबा परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओ से पूरी तरह भर गया है। पूरा परिक्रमा मार्ग गिरिराज महाराज की जय के जयकारे से गूंज रहा। देश-विदेश से पहुंचे भक्त गिरिराज जी की परिक्रमा के साथ ब्रज 84 कोस और वृंदावन की परिक्रमा भी कर रहे हैं। अनुमान है कि रविवार को 5 लाख से अधिक भीड़ बिहारीजी के दर्शन को पहुंची है। पिछले 24 घंटे में 10 लाख से ज्यादा भक्त गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए पहुंचे। भीड़ के पहुंचने का आलम यह कि बसों की छतों पर लोग बैठकर पहुंच रहे हैं। वृंदावन की सड़कें, गलियां श्रद्धालुओं से जाम हो गई हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि परिक्रमा मार्ग पर बेकाबू तरीके से दौड़ रहे ई-रिक्शा सबसे बड़ी परेशानी बन गए हैं।

मंदिरों में दर्शन के लिए लगी लंबी कतारें

परिक्रमा मार्ग के अलावा गोवर्धन के प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारविंद, मानसी गंगा, जतीपुरा समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि भारी भीड़ के बावजूद परिक्रमा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही लगातार जारी है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। उनका आरोप है कि अनियंत्रित ई-रिक्शा और अन्य वाहन परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। श्रद्धालुओं ने प्रशासन से परिक्रमा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण लगाने की मांग की है, ताकि दर्शन और परिक्रमा सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न हो सकें।

- वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर को जाने वाले मुख्य रास्ते का ये है हाल।
- दानघाटी मंदिर मुकुट मुखारबिंद मानसी गंगा, जतीपुरा सहित अन्य मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं।

वृंदावन में महिला और युवक को वाहन ने मारी टक्कर

परिक्रमा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही का खामियाजा श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है। शनिवार को वृंदावन में हुए दो अलग-अलग हादसों में एक महिला और एक युवक घायल हो गए।

नशे की हालत में गाड़ी लेकर पहुंचे एक युवक ने दंडवती परिक्रमा दे रही महिला को टक्कर मार दी।

बसों की छतों पर बैठकर पहुंचे श्रद्धालु

मथुरा से गोवर्धन आने वाले मार्गों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। सीट नहीं मिलने पर कई श्रद्धालु बसों की छतों पर बैठकर यात्रा करते नजर आए। ट्रैफिक पुलिस ने कई स्थानों पर कार्रवाई कर यात्रियों को नीचे उतारा, लेकिन भीड़ और उत्साह के कारण कुछ लोग पुलिस की नजर बचाकर दोबारा छतों पर चढ़ गए।

उन्नाव सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश का तबादला

डॉ. अजय कुमार शर्मा बने नए मुख्य चिकित्साधिकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. सत्यप्रकाश का तबादला कर दिया गया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उन्हें संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, महानिदेशालय लखनऊ के पद पर तैनात किया गया है। वहीं, डॉ. अजय कुमार शर्मा को उन्नाव का नया मुख्य चिकित्साधिकारी बनाया गया है। डॉ. सत्यप्रकाश ने उन्नाव में करीब चार वर्षों से अधिक समय तक मुख्य चिकित्साधिकारी के पद पर कार्य किया। उनके कार्यकाल के दौरान जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भी जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को संभालने में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। शासन के आदेश के अनुसार, डॉ. सत्यप्रकाश को अब संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, महानिदेशालय लखनऊ की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर वर्तमान में डॉ. अजय कुमार शर्मा, जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ में वरिष्ठ परामर्शदाता के पद पर कार्यरत थे, को उन्नाव का नया सीएमओ नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य विभाग में हुए इस फेरबदल में उन्नाव के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरिनंदन को भी नई जिम्मेदारी मिली है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ-हरिद्वार एक्सप्रेस में चेन पुलिंग

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास रविवार दोपहर लखनऊ-हरिद्वार एक्सप्रेस में चेन पुलिंग हुई। इस घटना के कारण ट्रेन लगभग 12 मिनट तक रुकी रही, जिससे रेल संचालन प्रभावित हुआ और यात्रियों में हलचल मच गई। कानपुर से लखनऊ की ओर जा रही लखनऊ-हरिद्वार एक्सप्रेस दोपहर 1:34 बजे गंगाघाट रेलवे स्टेशन से कुछ दूर पहले अचानक रुक गई। ट्रेन के रुकते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

आगरा मे अगले दो दिन तेज आंधी-बारिश के आसार

आगरा। आगरा में मआंधी और बारिश के बाद भीषण गर्मी से राहत मिली है। 48 घंटे में दिन के तापमान में 8.1 डिग्री और रात के तापमान में 6.8 डिग्री गिरावट आई है। दिन ही नहीं, रात का तापमान भी गिरा है। लू और धूप से राहत मिली है। शनिवार रात को भी तेज हवाएं चलीं। रविवार सुबह से तेज धूप निकल रही है, लेकिन धूप में ज्यादा गर्मी नहीं है। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को भी आंधी-बारिश की संभावना जताई है। आज दोपहर बाद मौसम बदल सकता है। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हो सकती है।

मना भगवान नृसिंह देव का प्राकट्य उत्सव

मथुरा। पुरुषोत्तम मास की चतुर्दशी पर ब्रजभूमि भक्ति और आस्था के रंग में रंग गई। मथुरा, वृंदावन और आसपास के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भगवान नृसिंह देव का प्राकट्य उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। जगह-जगह आयोजित नृसिंह लीला में जैसे ही हिरण्यकश्यप के खंभे पर प्रहार करते ही भगवान नृसिंह प्रकट हुए, पूरा वातावरण जयकारों और घंटा-घड़ियाल की ध्वनि से गूंज उठा।

कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने पत्नी के साथ ताजमहल देखा

पत्नी के साथ डायना बेंच पर तस्वीर खिंचवाईं, हाथ पकड़कर घूमे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। कॉमेडियन सुनील ग्रोवर अपनी पत्नी आरती के साथ आगरा पहुंचे। रविवार सुबह सनराइज के समय ताजमहल का दीदार किया। उन्होंने ताजमहल की खूबसूरती को करीब से निहारा। उन्होंने पत्नी के साथ डायना बेंच पर बैठकर तस्वीर खिंचवाई। ताजमहल कैंपस में आने के बाद सुनील ग्रोवर शुरुआत में मास्क लगाए हुए थे, लेकिन जैसे ही पर्यटकों ने उन्हें पहचाना, उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने वालों की भीड़ लग गई। सुनील ग्रोवर ने भी अपने चाहने वालों का अभिवादन किया और मुस्कुराते हुए उनके साथ फोटो खिंचवाईं। इस दौरान वह पत्नी का हाथ थामे ताजमहल परिसर में घूमते नजर आए। वह करीब 1 घंटे तक रहे। इस दौरान गाइड अंसार अली से ताजमहल की नक्काशी, वास्तुकला के बारे में पूछा। सुनील की वाइफ आरती पेशे से इंटीरियर डिजाइनर हैं और दोनों का एक बेटा भी है। साल 2022 में सुनील को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद उनकी चार बायपास सर्जरी हुई थीं। डॉक्टरों ने उन्हें एक महीने का आराम दिया, लेकिन वे केवल 25 दिन में ही काम पर लौट आए थे।

गोरखपुर कारखाने के 30% प्लांट अब चलेंगे सोलर पावर से, 500 किलोवाट के नए सोलर पैनल तैयार, जल्द होगा उद्घाटन

सौर ऊर्जा की राह पर पूर्वोत्तर रेलवे

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे का यांत्रिक कारखाना अब हरित ऊर्जा की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। कारखाना परिसर में 500 किलोवाट क्षमता के नए सोलर पैनल स्थापित कर दिए गए हैं, जिनका जल्द ही उद्घाटन किया जाएगा। इन पैनलों के शुरू होने के बाद कारखाने के लगभग 30 प्रतिशत प्लांट सौर ऊर्जा से संचालित होने लगेंगे। रेलवे प्रशासन ने भविष्य में और अधिक क्षमता के सोलर पैनल लगाने की व्यापक योजना भी तैयार कर ली है।

पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के चलते कारखाने को लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (सीआईआई) की ओर से प्रतिष्ठित ग्रीनको प्लेटिनम रेटिंग प्राप्त हुई है। इसके अलावा कारखाने को अंतरराष्ट्रीय रेलवे उद्योग मानक (आईआरआईएस) प्रमाणन भी हासिल हुआ है, जो इसकी गुणवत्ता और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पूर्वोत्तर रेलवे के 166 स्टेशन वर्तमान में सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन का लक्ष्य भविष्य में सभी स्टेशनों को सौर ऊर्जा से जोड़ना है।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार के अनुसार, गोरखपुर स्थित सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में 237 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। रेलवे बोर्ड की मंजूरी मिलते ही स्थापना कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसके साथ ही लखनऊ, वाराणसी और इज्जतनगर मंडल के खेल मैदानों में भी सोलर पैनल लगाए जाने की योजना है।

पहले से कार्यरत हैं 1000 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल

कारखाने में पहले से 1000 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल संचालित हो रहे हैं। नए 500 किलोवाट प्लांट के जुड़ने से बिजली की पारंपरिक खपत में उल्लेखनीय कमी आएगी। रेलवे का उद्देश्य ऊर्जा लागत घटाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना भी है।

ड्रोन और रोबोट से होगी सोलर पैनलों की सफाई

मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि सोलर पैनलों के रखरखाव को आधुनिक बनाने के लिए उनकी सफाई ड्रोन और रोबोट की मदद से कराने की योजना बनाई जा रही है। लगातार नई तकनीकों को अपनाया जा रहा है।

22.17 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट को मंजूरी

रेलवे प्रशासन को विभिन्न स्टेशनों, सर्विस बिल्डिंगों, रेलवे क्वार्टरों और समपार फाटकों पर कुल 22.17 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पैनल लगाने की स्वीकृति मिल चुकी है।

वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान 2.557 मेगावाट क्षमता के सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जबकि 19.613 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता के प्रोजेक्ट को भी मंजूरी प्रदान की गई है।

रेलवे कॉलोनियों और कार्यालयों की खाली जमीन का होगा उपयोग

रेलवे प्रशासन अब रेलवे कॉलोनियों, कार्यालयों और विभागों की खाली भूमि का उपयोग भी सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करेगा। गोरखपुर क्षेत्र में 568 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाने के लिए 16 स्थान चिह्नित किए गए हैं।

बकरीद के दिन मारा था, सूर्या की मां बोलीं- लाश की फोटो दिखाओ, तब मानूंगी

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई। बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? आओ, दिखाते हैं। इसका CCTV भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खोड़ा के रहने वाले नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं। दो समुदायों से जुड़े होने के चलते मामले ने तूल पकड़ लिया। यूपी सरकार में मंत्री सुनील कुमार शर्मा सूर्या के परिवार से मिले। उन्होंने कहा- प्रदेश में किसी अपराधी के लिए कोई जगह नहीं।

एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है। बाकी आरोपियों का भी एनकाउंटर होना चाहिए।

कल 10 घंटे चला था हंगामा, डिप्टी सीएम ने कहा था- हत्यारों को बख्शेंगे नहीं

शनिवार को 10 घंटे हंगामा चला था। हिंदू संगठन सड़क पर उतर आए थे। परिजन ने सूर्या का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने देर शाम परिवार को समझाकर अंतिम संस्कार करवाया था।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था- हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी कार्रवाई की मांग की थी। प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर सीएम योगी ने शनिवार देर शाम गाजियाबाद समेत 8 जिलों के अफसरों के साथ बैठक की थी।

संगीत सोम बोले- पुलिस ने जिहादी मानसिकता को कुचल दिया

सूर्या हत्याकांड पर पूर्व भाजपा विधायक संगीत सोम ने कहा कि यह हरकत जिहादी मानसिकता से की गई। नाबालिग बच्चे को बुलाकर उससे पूछा गया, "क्या तुमने कभी बकरे को हलाल होते देखा है?"

फर्जी जमानत कराने वाले गिरोह का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़। कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर गंभीर अपराधों में निरुद्ध आरोपित की जमानत कराने वाले गिरोह के सक्रिय सदस्य रामचन्द्र यादव उर्फ मैकू यादव उर्फ सत्यम यादव निवासी भरौली थाना जीयनपुर को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है। गरिफ्तार बदमाश रामचंद्र पर हत्या, लूट, डकैती, चोरी, गैंगस्टर एक्ट समेत कई संगीन मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। एएसपी चिराग जैन ने बताया कि 30 मई 2026 को कचहरी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक चंद्र प्रकाश कश्यप ने कोतवाली नगर थाने में तहरीर देकर बताया था कि कुछ तथाकथित वकील और जमानतदार अनुचित आर्थिक लाभ के लिए न्यायिक अभिरक्षा में बंद बदमाशों से सांठगांठ कर फर्जी दस्तावेजों के जरिए उनकी जमानत करा रहे थे। जांच में सामने आया कि एक ही जमानतदार द्वारा समान दस्तावेजों का प्रयोग कर कई बदमाशों की जमानत कराई गई, जिससे एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की पुष्टि हुई। तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर थाने में रामचंद्र यादव उर्फ मैकू यादव और दयाराम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रामचंद्र यादव उर्फ मैकू यादव उर्फ सत्यम को शनिवार की रात जिला कारागार गोरखपुर के पास से गिरफ्तार कर लिया। एएसपी ने बताया कि रामचंद्र के खिलाफ आजमगढ़, मऊ, जौनपुर और वाराणसी समेत विभिन्न जनपदों में 25 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों के गिरफ्तारी को दबिश दे रही है।

ममता बनर्जी के 80 में से 60 विधायक हो गए 'गायब'

टीएमसी की बैठक में पहुंचे ही नहीं, मचा हड़कंप

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) में सबकुछ ठीक नहीं है। कई विधायक और सांसद नाराज बताए जा रहे हैं। इसको बल रविवार को तब और मिला, जब अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद ममता के घर होने वाली बैठक में 80 में से 60 विधायक पहुंचे ही नहीं। इससे हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, ममता के घर पर रविवार को अहम बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें विधायकों को बुलाया गया था, लेकिन बैठक से 60 विधायक गायब रहे, जिससे उसे रद्द करना पड़ गया। हालांकि, बाद में पार्टी की ओर से सफाई पेश की गई कि अभिषेक और कल्याण बनर्जी पर हुए हमले के मामले में तमाम विधायक व्यस्त थे और यही वजह रही कि वे ममता की बैठक में नहीं पहुंचे। एनडीटीवी ने टीएमसी के सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बैठक पार्टी के विधायक दल के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने ममता बनर्जी के घर पर बुलाई थी। काफी देर तक विधायकों का इंतजार किया गया, लेकिन जब वे नहीं पहुंचे तो आखिरकार बैठक ही रद्द करनी पड़ी। गैर-हाजिर रहे विधायकों से संपर्क भी नहीं हो पा रहा था। इसकी वजह से भी सवाल खड़े होने लगे हैं कि क्या टीएमसी में बड़ी फूट पड़ने वाली है। पिछले महीने हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। खुद भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी चुनाव हार गईं। भाजपा ने कुल 208 सीटें जीतीं, जबकि टीएमसी को महज 80 सीटों से संतोष करना पड़ा। इस हार के बाद से ही दबी जुबान में ममता बनर्जी का और टीएमसी की पूर्व सरकार का खुलकर विरोध होने लगा। खुद टीएमसी के कई सांसद और विधायक अपनी ही पार्टी की पूर्व सरकार के खिलाफ आ गए और उसके कई फैसलों का विरोध किया। छह मई को ममता बनर्जी ने हार को लेकर एक बैठक बुलाई, जिसमें लगभग 10 विधायक पहुंचे ही नहीं। हालांकि, पार्टी ने तब भी सफाई दी कि चिंता की कोई बात नहीं है और उन विधायकों ने पहले ही जानकारी दे दी थी।

राजीव कृष्ण बने यूपी के परमानेंट डीजीपी

लखनऊ। यूपी को 4 साल के इंतजार के बाद परमानेंट डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) मिल गया। मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण को ही परमानेंट डीजीपी बना दिया गया है।

शनिवार (30 मई) को ही उनके नाम को कन्फर्म कर दिया था। रविवार को यूपी सरकार की तरफ से ACS संजय प्रसाद ने इसका आदेश जारी किया।

शाम करीब साढ़े 6 बजे डीजीपी राजीव कृष्ण सीएम योगी से मिलने पहुंचे। इस दौरान दोनों के बीच कई मसलों पर चर्चा हुई। UPSC की गाइडलाइन और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के मुताबिक, राजीव कृष्ण कम से कम 2 साल तक यूपी के DGP रहेंगे। वह 1 जून, 2025 से कार्यवाहक डीजीपी की कमान संभाल रहे हैं।

दरअसल, यूपी सरकार ने परमानेंट DGP को लेकर संघ लोकसेवा आयोग (UPSC) को 19 IPS के नाम भेजे थे। इसे लेकर 26 मई को दिल्ली में आयोग की बैठक हुई थी।

पृष्ठ 01 का शेष...

हमने भी भारतीय ...

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस बारे में जानकारी मिली। दोनों देशों को मिलकर इस मामले की जांच करनी चाहिए। भारत-चीन के बीच लिपुलेख और लिम्पियाधुरा मार्ग से होने वाले व्यापार पर शाह ने कहा कि विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत से निकाला जाएगा। नेपाल इस मुद्दे पर भारत को राजनयिक नोट भेज चुका है और भारत की ओर से जवाब भी मिल चुका है। काठमांडू का मेयर रहते हुए बालेन शाह ने ग्रेटर नेपाल का नक्शा अपने ऑफिस में लगाया था। इसमें हिमाचल के पश्चिमी कांगड़ा से लेकर पश्चिम बंगाल में पूर्वी तीस्ता के एरिया को ग्रेटर नेपाल का हिस्सा बताया गया है। नेपाल में मार्च 2026 में बालेन शाह के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक कूटनीतिक और रणनीतिक संबंधों में काफी बदलाव और असहजता देखी गई है।

दिल्ली में पांच ...

इसके माध्यम से एंबुलेंस को बिना किसी बाधा के अस्पताल तक पहुंचाया गया। राहत और बचाव कार्य में एनडीआरएफ, डीडीएमए, दिल्ली फायर सर्विस और दिल्ली पुलिस की टीमें संयुक्त रूप से जुटी रहीं। इसी बीच रविवार को दिल्ली के तिलक मार्ग थाना क्षेत्र में स्थित दूरदर्शन भवन से पत्थर गिरने की एक और घटना सामने आई। पत्थर गिरने से 35 वर्षीय नीरज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

अर्चना अग्रवाल...

वरिष्ठता और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर अर्चना अग्रवाल इस पद की प्रबल दावेदार मानी जा रही थीं। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद राज्य की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक संस्थाओं में से एक है। परिषद भूमि, राजस्व, भू-अभिलेख और राजस्व संबंधी अपीलों सहित कई महत्वपूर्ण मामलों की निगरानी और निस्तारण का कार्य करती है। ऐसे में अर्चना अग्रवाल को इस संस्था की कमान मिलना शासन स्तर पर एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। प्रशासनिक हलकों में इसे राज्य की राजस्व व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम बताया जा रहा है। अर्चना अग्रवाल अपनी कुशल प्रशासनिक क्षमता, प्रभावी निर्णय लेने की शैली और शासन-प्रशासन में लंबे अनुभव के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार दोनों स्तरों पर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वर्ष 2009 में वह परिवहन आयुक्त के पद पर भी कार्यरत रह चुकी हैं। उसी वर्ष केंद्र सरकार से उत्तर प्रदेश में उनकी वापसी हुई थी और उन्हें परिवहन विभाग में प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी दी गई थी। करीब 16 वर्षों बाद उन्हें फिर से परिवहन विभाग की जिम्मेदारी मिली है। अर्चना अग्रवाल भारतीय प्रशासनिक सेवा में लगभग 36 वर्षों का लंबा सेवाकाल पूरा कर चुकी हैं। उनका सेवानिवृत्ति काल इसी वर्ष सितंबर माह में पूरा होना है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हुए प्रशासनिक क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है। अर्चना अग्रवाल की नियुक्ति के साथ ही उत्तर प्रदेश के राजस्व विभाग में महिला अधिकारियों की मजबूत उपस्थिति देखने को मिल रही है। वर्तमान में राजस्व विभाग के शीर्ष तीन महत्वपूर्ण पदों पर महिला अधिकारी कार्यरत हैं। प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्व विभाग के शीर्ष स्तर पर महिला अधिकारियों की नियुक्ति से निर्णय प्रक्रिया में विविधता और प्रशासनिक दक्षता को और मजबूती मिलेगी। अर्चना अग्रवाल के अनुभव और नेतृत्व क्षमता से राजस्व परिषद के कार्यों में नई गति आने की उम्मीद जताई जा रही है।

पूरे सिस्टम से लड़ी, वापसी करूंगी, बैन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल की मंजूरी दी थी

विनेश फोगाट एशियन गेम्स ट्रायल में हारीं

हार

पानीपत। ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट शनिवार को एशियन गेम्स ट्रायल का सेमीफाइनल मैच हार गईं। 53 किलो कैटेगरी में लगातार दो बाउट जीतने के बाद उन्हें जींद की मीनाक्षी गोयत ने हराया। विनेश अब एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। हार के बाद विनेश ने कहा- मैं पूरे सिस्टम के खिलाफ लड़ रही थी। एक तरफ मैं थी और दूसरी तरफ सभी लोग थे। मैं फिर वापसी करूंगी। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने एंटी-डोपिंग नियमों का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर बैन लगा दिया था। विनेश ने इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, डिवीजन बेंच ने विनेश के

पक्ष में फैसला सुनाया था। WFI ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- विनेश शानदार रेसलर हैं, उन्होंने देश को गर्व महसूस कराया। विनेश को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाती है। मीनाक्षी से पहले विनेश का मुकाबला नीशू से हुआ। शुरूआत में नीशू ने विनेश को पटखनी देकर पांच पॉइंट हासिल किए। इसके बाद विनेश ने चार पॉइंट बटोरे। इस दौरान रेफरी से विनेश और उनके पति सोमबीर राठी की कहासुनी हो गई।

विनेश के ट्रायल का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा

विनेश फोगाट को एशियन गेम्स 2026 के ट्रायल में शामिल करने को लेकर विवाद हुआ था। कुश्ती से दूरी बनाए रखने के कारण WFI ने अपनी चयन नीति का हवाला देते हुए विनेश को ट्रायल में खेलने की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद विनेश ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने कहा कि मां बनने के कारण किसी खिलाड़ी को अवसर देने से इनकार नहीं किया जा सकता और उन्हें ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी। WFI इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

- विनेश फोगाट को पटखनी देतीं नीशू। हालांकि, विनेश ने वापसी करते हुए मुकाबला 7-6 से जीत लिया।
- ज्योति सिहाग से हुए पहले मुकाबले की शुरुआत से ही विनेश आक्रामक नजर आईं।
- 53 किलो वेट कैटेगरी में विनेश फोगाट को विनर घोषित करते रेफरी।
- ट्रायल में विनेश (लाल रेसलिंग पोशाक में) जींद की मीनाक्षी गोयत से हारीं।

विनेश बोलीं- मै फेल नहीं हुई

विनेश हार के बाद भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा- हार को अपनी असफलता नहीं मानती। मैं फेल नहीं हुई हूं। मैं फिर वापसी करूंगी। मेरा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है और भविष्य में फिर से खुद को साबित करने के लिए मैट पर लौटूंगी।

विनेश फोगाट को पहले केवल 50 किलोग्राम वर्ग में खेलने को कहा गया, जिस पर उन्होंने विरोध जताया। विवाद के बाद WFI अध्यक्ष संजय सिंह के हस्तक्षेप से उन्हें 53 किलोग्राम वर्ग के ट्रायल में भी उतरने की अनुमति मिली।

ट्रायल से पहले विनेश फोगाट ने कहा कि वजन-माप के लिए उन्हें करीब एक घंटे इंतजार कराया गया। उन्होंने कहा कि यहां किसी पर अब भरोसा नहीं है। आपत्ति के बाद मैच थोड़ी देर के लिए रोका गया। WFI के अध्यक्ष संजय सिंह भी मैट पर पहुंच गए।

नॉर्वे चेस में गुकेश की वापसी, प्रज्ञानानंद को हराया

कार्लसन हारे, दिव्या देशमुख विमेंस कैटेगरी में नंबर-1 पर आईं

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में वापसी की। उन्होंने 5वें राउंड में अपने हमवतन आर. प्रज्ञानानंद को क्लासिकल मुकाबले में हराया। वे टाइटल की रेस में बने हुए हैं। एक दिन पहले 20वां जन्मदिन मनाने वाले गुकेश ने पूरे तीन अंक हासिल किए और 6.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए। रागोजिन डिफेंस से शुरू हुआ यह मुकाबला काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। दोनों खिलाड़ियों के पास जीत के अवसर थे, लेकिन समय के दबाव में प्रज्ञानानंद की एक गलती निर्णायक साबित हुई। गुकेश ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए चेकमेट के जरिए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

- मैच में प्रज्ञानानंद (बाएं) की एक गलती निर्णायक साबित हुई।
- दिव्या देशमुख ने चीन की झू जिनर को 84 चालों में हराया।

दूसरी ओर मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से हार का सामना करना पड़ा। पांच दौर के बाद कार्लसन 4.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरूजा 10 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने चीन की झू जिनर को 84 चालों तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर पहली बार एकल बढ़त हासिल की। दिव्या अब 8.5 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। भारत की कोनेरू हम्पी ने भी महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से नॉर्वे चेस में भारत की चुनौती और मजबूत हो गई है।

धोनी 3 करोड़ की कार से पहुंचे मसूरी

बेटी का समर कैंप में एडमिशन कराया, फैंस के साथ फोटो खिंचवाई, हाथ मिलाया

मसूरी। महेंद्र सिंह धोनी 3 करोड़ की लैंड रोवर डिफेंडर के साथ मसूरी में घूमते दिखे। जैसे ही फैंस को इसका पता चला तो वे भी स्टार क्रिकेटर से मिलने पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, धोनी अपनी बेटी जीवा सिंह धोनी का समर कैंप के लिए एक बोर्डिंग स्कूल में एडमिशन कराने आए थे। धोनी शनिवार को देहरादून से मसूरी के लिए रवाना हुए। देर शाम लालटिब्बा क्षेत्र स्थित एक होटल पहुंचे। यहां फैंस ने धोनी को घेर लिया। मोबाइल से उनकी तस्वीरें खींचने लगे। वीडियो बनाने लगे। कुछ लोगों को लगा कि रोहित शर्मा आए हुए हैं। वे जोर-जोर से 'रोहित शर्मा, रोहित शर्मा...' चिल्लाने लगे। यह सुनकर धोनी हंस पड़े। समर कैंप जाते समय उन्होंने फैंस से हाथ भी मिलाया। इसके बाद वहां मौजूद

एक बच्चे ने जब धोनी-धोनी कहा तो उन्होंने पीछे मुड़कर देखा और मुस्कुराने लगे। धोनी का मसूरी की

3 साल पहले जब 20 साल बाद अपने पैतृक गांव पहुंचे धोनी

धोनी 15 नवंबर 2023 को पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ अल्मोड़ा की जैंती तहसील स्थित अपने पैतृक गांव ल्वाली गए थे। धोनी साल 2003 में अपने जनेऊ संस्कार के समय आखिरी बार गांव आए थे। धोनी के गांव पहुंचते ही ग्रामीण काफी खुश हुए थे। क्रिकेटर ने उनके साथ फोटो खिंचवाई। तब धोनी अपने दोस्तों के साथ गांव पहुंचे थे। उनकी एक झलक पाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

सड़कों पर घूमते हुए एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे लोगों से मसूरी के बारे में जानकारी लेते और ऑटोग्राफ देते हुए दिख रहे हैं। इससे पहले धोनी 11 मार्च 2025 को मसूरी घूमने आए थे। धोनी 15 नवंबर 2023 को पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ अल्मोड़ा की जैंती तहसील स्थित अपने पैतृक गांव ल्वाली गए थे। धोनी साल 2003 में अपने जनेऊ संस्कार के समय आखिरी बार गांव आए थे। धोनी के गांव पहुंचते ही ग्रामीण काफी खुश हुए थे। क्रिकेटर ने उनके साथ फोटो खिंचवाई।

- धोनी वीडियो कॉल पर किसी से बात करते दिखाई दिए थे।

मनोरंजन

फिल्म 'काला हिरण' का पोस्टर जारी

सलमान खान-लॉरेंस विवाद और काला हिरण शिकार मामले पर आधारित कहानी दिखेगी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामले पर आधारित अपकमिंग फिल्म काला हिरण का पोस्टर शुक्रवार को जारी किया गया। फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर 20 जून को जारी किया जाएगा। फिल्म में सलमान खान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच के विवाद को दिखाया जाएगा।

हालांकि, यह जानकारी सामने नहीं आई है कि इसमें कौन लीड रोल में है। वहीं, इसके पोस्टर में जो एक्टर दिखा है, वह जाना-पहचाना नहीं है। फिल्म को लेकर IANS से बात करते हुए फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने कहा, '1998 में जोधपुर के कांकाणी गांव में सलमान खान पर काला हिरण के शिकार का आरोप लगा था। उस मामले से जुड़े कोर्टरूम ड्रामा, क्राइम, थ्रिलर और लॉरेंस व सलमान खान के बीच की दुश्मनी को फिल्मी रूप में पेश किया गया है। फिल्म की शूटिंग संभल, मुरादाबाद और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में हुई है।' उन्होंने आगे कहा, 'उस समय हुए कथित काला हिरण शिकार, सलमान खान की गिरफ्तारी और सजा से जुड़े घटनाक्रम को फिल्म में दिखाया गया है।

इस फिल्म के पोस्टर का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। लोग सलमान खान, लॉरेंस और काला हिरण शिकार मामले पर आधारित एक सिनेमाई कहानी का इंतजार कर रहे थे। 20 जून को हम फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर जारी करेंगे।'

तान्या मित्तल को अमीर पति नहीं चाहिए

बोलीं- मेरा पार्टनर रोज मुझसे 10-15 लाख रुपए मांगे और मैं दे सकूं

मुंबई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट तान्या मित्तल एक बार फिर अपने बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने रिश्तों, आर्थिक स्वतंत्रता और महिलाओं की आत्मनिर्भरता को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। तान्या ने कहा कि वह किसी अमीर जीवनसाथी की तलाश में नहीं हैं, प्रमोशनल इवेंट के दौरान जब तान्या से कुशल तंवर के बारे में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि किसी प्रतियोगिता में जीत हासिल करने के लिए दूसरे प्रतिभागियों का खाना खराब करना या उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करना उचित नहीं है।

"हर दिन 10-15 लाख रुपये मांग सके मेरा पार्टनर"

अपने विचारों को विस्तार से रखते हुए तान्या ने कहा कि उनकी इच्छा है कि वह इतनी आर्थिक रूप से सक्षम बनें कि उनका पार्टनर यदि रोज सुबह उठकर उनसे 10 से 15 लाख रुपये भी मांगे, तो वह बिना किसी परेशानी के उसे यह राशि दे सकें।

> "अपने बयानों के अलावा तान्या अपने आगामी रियलिटी शो को लेकर भी चर्चा में हैं। वह जल्द ही कॉमेडी और कुकिंग आधारित रियलिटी शो मां है ना में दिखाई देंगी। इस शो में उनकी जोड़ी उनकी मां सुनीता मित्तल के साथ नजर आएगी। शो के प्रमोशनल कार्यक्रमों के दौरान तान्या और कुशल तंवर के बीच हुई हल्की-फुल्की नोकझोंक भी काफी चर्चा में रही।

आर्थिक मजबूती को बताया रिश्ते की असली ताकत

एक इंटरव्यू के दौरान तान्या मित्तल ने कहा कि वह जिस व्यक्ति से प्यार करती हैं, उसके लिए अपना सब कुछ देने को तैयार रहती हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने जीवन में पहले भी ऐसा कर चुकी हैं और भविष्य में भी ऐसा करने से पीछे नहीं हटेंगी। तान्या ने कहा कि उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनका होने वाला पति आर्थिक रूप से कितना संपन्न है। उनके अनुसार, यदि उनके जीवनसाथी के पास धन-दौलत न भी हो, तब भी वह उसे उसी सम्मान और प्रेम के साथ स्वीकार करेंगी। उनका मानना है कि रिश्ते पैसों से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, समझ और सहयोग से मजबूत बनते हैं।

एक्टर अजित कुमार की मां का निधन

सीएम विजय और तृषा कृष्णन ने घर पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

- तृषा ने भी अजित को गले लगाया और इस कठिन समय में उन्हें ढांढस बंधाया।

मुंबई। तमिलनाडु के चेन्नई में एक्टर अजित कुमार की मां मोहिनी मणि का शनिवार को निधन हो गया। वह 85 साल की थीं और उम्र संबंधी बीमारियों व स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही थीं। मोहिनी का अंतिम संस्कार रविवार सुबह चेन्नई के बेसंत नगर श्मशान घाट में संपन्न हुआ। उनका पार्थिव शरीर इंजामबक्कम स्थित आवास से बेसंत नगर श्मशान घाट लाया गया। अजित ने मां के पार्थिव शरीर को अपने कंधे पर उठाकर श्मशान घाट तक पहुंचाया। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, अंतिम संस्कार की रस्में अजित कुमार के भाई अनिल कुमार द्वारा संपन्न कराई गईं। मां के निधन की सूचना मिलने के बाद अजित चेन्नई पहुंचे। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई सेलेब्स ने अजित और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। शनिवार शाम तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय और एक्ट्रेस तृषा कृष्णन अजित के घर पहुंचे। दोनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। एक्टर सरथकुमार, नासिर, डायरेक्टर शंकर, ए.एल. विजय, शिवा सहित कई फिल्मी हस्तियां भी श्रद्धांजलि देने पहुंचीं।

'मुझे नहीं लगता कि वो सुसाइड था'

एक्टर शिशिर शर्मा बोले- सुशांत सिंह राजपूत ऐसे इंसान नहीं थे जो आत्महत्या जैसा कदम उठाएं

मुंबई। फिल्म 'छिछोरे' में सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम कर चुके एक्टर शिशिर शर्मा ने उनकी मौत को लेकर कहा कि उन्हें कभी विश्वास नहीं हुआ कि सुशांत सुसाइड कर सकते हैं। शिशिर शर्मा ने बताया कि जब नितेश तिवारी ने उन्हें 'छिछोरे' में कास्ट किया और बताया कि सुशांत भी फिल्म का हिस्सा होंगे, तो वह काफी एक्साइटेड हो गए थे। के दौरान दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और पुराने दिनों को याद किया।

> "सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में शिशिर शर्मा ने बताया कि उनकी और सुशांत की पहचान टीवी के दिनों से थी। जब वह 'यहां मैं घर घर खेली' में काम कर रहे थे और सुशांत 'पवित्र रिश्ता' में थे, तब दोनों पास में शूटिंग करते थे और लंच ब्रेक में साथ खाना खाते थे।

सुशांत की मौत की खबर से लगा था झटका

शिशिर शर्मा ने कहा कि 14 जून 2020 को सुशांत की मौत की खबर मिलने के बाद उन्हें गहरा सदमा लगा था। उन्होंने बताया, जब मुझे सुशांत के बारे में शाम को 4 बजे मैसेज आया, मैं अपने आंसू नहीं रोक पाया। बहुत मुश्किल था। एकदम से अंदर से टक्का-सा लगा... कैसे, क्यों, इतना बेहतरीन एक्टर, इतना सुलझा हुआ आदमी ऐसा क्यों करेगा?

मिनी-पिग्स के अंदर इंसानी अंग उगाने पर काम शुरू, मकसद- बढ़ती उम्र को धीमा करना

पुतिन का 2.47 लाख करोड़ का एंटी-एजिंग प्रोजेक्ट

शुरुआत

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बढ़ती उम्र और शरीर की कमजोरी को रोकने के लिए 26 अरब डॉलर यानी करीब 2.47 लाख करोड़ रुपए का बड़ा सरकारी प्रोजेक्ट शुरू किया है। 'न्यू हेल्थ प्रिजर्वेशन टेक्नोलॉजीज' नाम के इस प्रोग्राम में मिनी-पिग्स (विशेष प्रजाति के सुअर) के अंदर इंसानी अंग उगाने जैसे तकनीकों पर काम किया जाएगा। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में जीन थेरेपी, लैब में इंसानी अंग तैयार करना और बेहद कम तापमान वाली

क्रायोथेरेपी जैसी तकनीकों पर भी काम होगा। रूसी सरकार का दावा है कि इस मिशन का मकसद उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करना और दशक के अंत तक करीब 1.75 लाख लोगों की जान बचाना है। पिछले साल बीजिंग में सैन्य परेड के दौरान पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बातचीत भी चर्चा में आई थी। एक हॉट-माइक रिकॉर्डिंग में पुतिन इंसानी अंग बदलकर जीवन बढ़ाने और इंसानों के 150 साल तक जीने की संभावना पर बात करते सुनाई दिए थे। उस समय इसे दो उम्रदराज नेताओं की सामान्य बातचीत माना गया, लेकिन अब इसे रूस की लंबी उम्र वाली सरकारी योजना से जोड़कर देखा जा रहा है। 73 साल के पुतिन लंबे समय से खुद को ताकतवर और फिट नेता के रूप में पेश करते रहे हैं। घुड़सवारी, आइस हॉकी, शिकार और मोटरसाइकिल चलाते हुए उनकी तस्वीरें अक्सर सामने आती रही हैं। पुतिन के कई करीबी सहयोगी भी अब 70 साल से ज्यादा उम्र के हो चुके हैं।

पुतिन क्रायोथेरेपी और पेप्टाइड थेरेपी लेते रहे है

पुतिन काफी समय से क्रायोथेरेपी और पेप्टाइड थेरेपी लेते रहे है। रूस के वैज्ञानिक व्लादिमिर खाविंसन पुतिन को बछड़ों के टिशू से बने खास पेप्टाइड्स देते थे। वे पेप्टाइड थेरेपी के जरिए एंटी-एजिंग इलाज का समर्थन करते थे। उनका दावा था कि इंसान 120 साल तक जी सकता है। पुतिन खुद को जवान रखने के लिए क्रायोथेरेपी का इस्तेमाल भी करते हैं। इसमें शरीर को करीब माइनस 112 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में कुछ समय रखा जाता है। ऑस्ट्रिया के पूर्व चांसलर सेबास्टियन कुर्ज ने बताया था कि 2018 में क्रेमलिन की एक बैठक के दौरान पुतिन ने उन्हें इस थेरेपी के फायदे विस्तार से बताए थे।

जीन थेरेपी से सेल्स की उम्र रोकने की कोशिश

रूस के डिप्टी साइंस मिनिस्टर डेनिस सेकिरीनस्की ने अप्रैल में कहा था कि वैज्ञानिक ऐसी जीन थेरेपी तैयार कर रहे हैं, जो शरीर की कोशिकाओं की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सके। उन्होंने इसे एंटी-एजिंग की दिशा में सबसे अहम रिसर्च में से एक बताया।

इस प्रोजेक्ट का एक बड़ा हिस्सा बायोप्रिंटिंग पर आधारित है। इसमें 3D प्रिंटर की मदद से जीवित टिश्यू और अंग तैयार किए जाते हैं। रूसी वैज्ञानिकों का दावा है कि वे इंसानी कार्टिलेज और चूहे की थायरॉयड ग्लैंड तैयार कर चुके हैं। लक्ष्य है कि 2030 तक इंसानी अंगों का पूरी तरह रिप्लेसमेंट किया जा सके। इसके साथ ही रूस जेनिटिकली मॉडिफाइड मिनी-पिग्स के अंदर इंसानी लिवर, किडनी और दिल को विकसित करने पर भी काम कर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे भविष्य में ऑर्गन ट्रांसप्लांट की कमी दूर हो सकती है।

6 करोड़ की इलेक्ट्रिक फेरारी पर उठे सवाल

शेयर 8% टूटे, सीईओ बोले- यह कीमत नहीं टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है, वही इसकी ऊंची कीमत की सबसे बड़ी वजह है।

मोडेना (इटली), एजेंसी

फेरारी की पहली इलेक्ट्रिक कार 'ल्यूस' की करीब 6 करोड़ कीमत को लेकर दुनियाभर में बहस छिड़ गई है। लॉन्चिंग के बाद कंपनी के शेयरों में 8% तक गिरावट आई। निवेशकों ने सवाल उठाए और इटली के राजनीतिक गलियारों से लेकर ऑटो इंडस्ट्री तक आलोचना शुरू हो गई।

लेकिन फेरारी के सीईओ बेनेडेटो विग्ना इस कीमत को जायज ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक इलेक्ट्रिक कार नहीं, बल्कि नायाब रियल इनोवेशन है। मोडेना में एक राउंड टेबल बैठक में विग्ना ने कहा कि ल्यूस की तुलना बाजार में मौजूद चीनी या अन्य इलेक्ट्रिक कारों से नहीं की जा सकती। इस मॉडल के पीछे जिस स्तर की इंजीनियरिंग, डिजाइन और

विग्ना का दावा है कि इस कार ने ऐसे नए ग्राहकों को आकर्षित किया है, जो अलग तरह की लग्जरी तलाशते हैं। असल में 6 करोड़ रुपए इसकी कीमत नहीं, इनोवेशन की वैल्यू है। इसकी बॉडी इस तरह बनाई गई है कि स्पोर्ट्स कारों में आमतौर पर दिखने वाले एयर वेंट्स, कट्स और एयरोडायनामिक एलिमेंट्स लगभग पूरी तरह छिप जाते हैं।

2 लाख प्रतिदिन किराए वाले विला में रुकीं, एयरपोर्ट पर सुरक्षा में एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश' तैनात

ट्रम्प की बेटी पति के साथ जैसलमेर पहुंचीं

जैसलमेर, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की छोटी बेटी टिफनी ट्रम्प पति माइकल बोलोस के साथ रविवार सुबह करीब 10:51 बजे विशेष विमान से जैसलमेर पहुंचीं। वे विश्व प्रसिद्ध सोनार

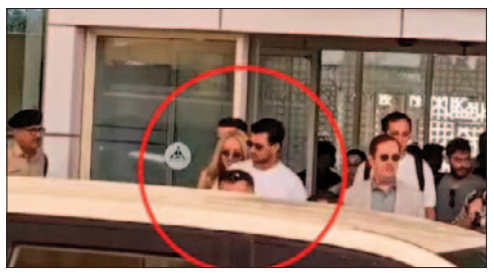

किला (जैसलमेर फोर्ट), पटवों की हवेली और खूबसूरत गड़ीसर लेक सहित जैसलमेर के प्रमुख पर्यटन स्थल देखने जाएंगी। टिफनी ट्रम्प और उनके पति सूर्यगढ़ होटल में रुके हैं। जिस विला में वे रुके हैं, वह होटल का सबसे महंगा है। उसका किराया करीब 2 लाख रुपए प्रतिदिन बताया जा रहा है। इस विला में तीन कमरे और स्विमिंग पूल है। सोनार किला सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरे दौरे के दौरान अलर्ट मोड पर है। जैसलमेर पहुंचने से पहले टिफनी ट्रम्प और उनके पति ने शनिवार को आगरा में विश्व प्रसिद्ध ताजमहल को देखा।

एनएसई में एफ एंड ओ मार्केट की क्लोजिंग-टाइमिंग 10 मिनट बढ़ी

3 अगस्त से दोपहर 3:40 बजे तक ट्रेडिंग होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने इक्विटी डेरिवेटिव्स यानी फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F&O) सेगमेंट के लिए नॉर्मल मार्केट क्लोजिंग टाइमिंग को 10 मिनट बढ़ाने का फैसला किया है। 3 अगस्त से यह मार्केट दोपहर 3:30 बजे के बजाय 3:40 बजे बंद होगा। यह बदलाव कैश सेगमेंट में शुरू किए जा रहे नए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (CAS) के रोलआउट के तहत किया गया। क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (CAS) दिन के आखिरी में एक छोटी और स्पष्ट ट्रेडिंग अवधि (शॉर्ट ट्रेडिंग पीरियड) होती है। इसमें मार्केट पार्टिसिपेंट्स किसी सिक्योरिटी के लिए एक सिंगल और फेयर क्लोजिंग प्राइस तय करने के लिए बाय (खरीद) या सेल (बिक्री) के ऑर्डर सबमिट करते हैं। क्लोजिंग ऑक्शन सेशन से जुड़े प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल्स के प्रावधान इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। इसका मकसद एंड-ऑफ-डे ट्रेडिंग प्रोसेस के दौरान कैश और डेरिवेटिव्स मार्केट के बीच निरंतरता और सुचारू बदलाव सुनिश्चित करना है। 16 जनवरी को जारी SEBI के सर्कुलर के मुताबिक, CAS को अलग-अलग फेज में पेश किया जाएगा। शुरुआती फेज में केवल उन स्टॉक्स का क्लोजिंग प्राइस CAS के जरिए तय किया जाएगा, जिनके डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स उपलब्ध हैं।

स्पाइसजेट को 125 करोड़ का टैक्स नोटिस मिला

नई दिल्ली। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (GST) डिपार्टमेंट ने बजट एयरलाइन स्पाइसजेट को करीब 125 करोड़ का टैक्स डिमांड नोटिस जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक, आर्थिक तंगी से जूझ रही इस एयरलाइन पर कई महीनों से GST रिटर्न फाइल नहीं करने का आरोप है। इसके साथ ही विभाग ने स्पाइसजेट का GST रजिस्ट्रेशन रद्द करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। GST डिपार्टमेंट ने रिटर्न फाइल करने में बार-बार हो रही देरी और नियमों का पालन न करने पर स्पाइसजेट को एक शो-कॉज (कारण बताओ) नोटिस भेजा है। इस नोटिस में एयरलाइन का GST रजिस्ट्रेशन रद्द करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि तय समय सीमा के भीतर रिटर्न दाखिल न करने के बाद CGST और SGST एक्ट, 2017 की धारा 62 के तहत एक प्रोविजनल असेसमेंट किया गया था, जिसके बाद यह टैक्स डिमांड निकाली गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार
नवनिर्माण के 9 वर्ष

शिक्षा के नए प्रतिमान
मेधावी विद्यार्थियों का मान

मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह
माध्यमिक शिक्षा विभाग की केंद्र एवं राज्यस्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले
1,682 छात्र/छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों का सम्मान

— द्वारा —
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

— गरिमामयी उपस्थिति —
गुलाब देवी
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 1 जून, 2026
समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे
स्थान : लोक भवन सभागार, लखनऊ

शिक्षित प्रदेश-उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 29,216 माध्यमिक विद्यालय संचालित
प्रदेश का दूसरा सैनिक स्कूल गोरखपुर में स्थापित
शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिजनों को ₹5 लाख तक कैशलेस उपचार की सुविधा

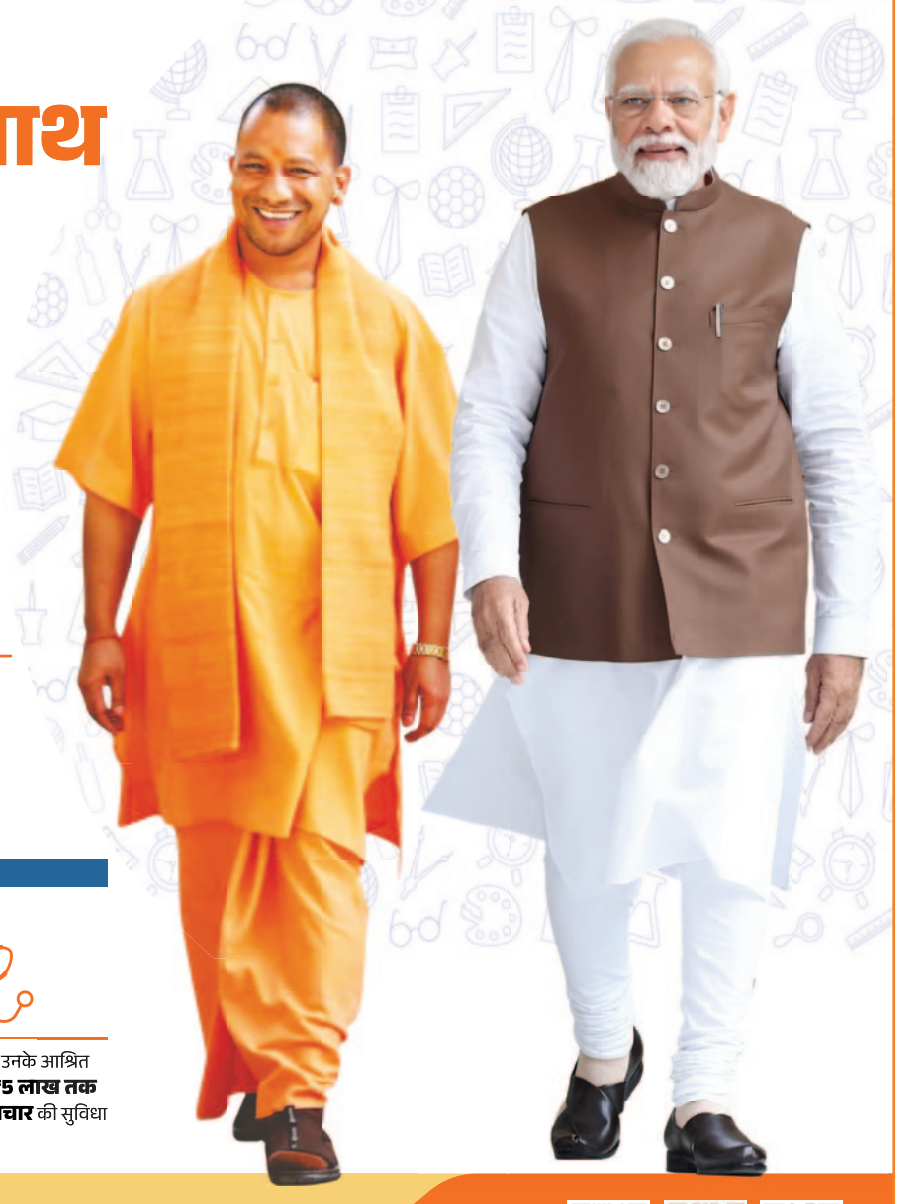

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

विदेशी-निवेशकों ने मई में भारतीय बाजार से ₹32,963 करोड़ निकाले

वजह- कमजोर रुपया और सुस्त अर्निंग ग्रोथ, 2026 में अब तक ₹2.25 लाख करोड़ की बिकवाली की

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) का भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकालने का सिलसिला मई महीने में भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों ने मई में इक्विटी मार्केट से 32,963 करोड़ रुपए की निकासी की है। कंपनियों की सुस्त अर्निंग ग्रोथ, रुपए में आ रही कमजोरी और वैश्विक बाजारों में मिल रहे बेहतर मौकों के चलते निवेशकों ने यह कदम उठाया है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी के विजयकुमार ने बताया कि भारत में कॉरपोरेट अर्निंग की रफ्तार थोड़ी सुस्त रही है। इसके मुकाबले अमेरिका, जापान, साउथ कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों में कंपनियों का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है, जिसने FPIs को अपनी पूंजी वहां शिफ्ट

करने के लिए प्रेरित किया है। वहीं साउथ कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित रैली की वजह से भी विदेशी फंड भारत के बजाय उन बाजारों की तरफ आकर्षित हुआ है। सेंट्रिसिटी वेल्थटेक के फाउंडिंग पार्टनर और हेड ऑफ इक्विटीज सचिन जासूजा ने कहा कि रुपए की लगातार गिरती कीमत FPIs के बाहर जाने की दूसरी सबसे बड़ी वजह है। साल 2026 में अब तक रुपया करीब 6% और पिछले पूरे एक साल में करीब 10% तक कमजोर हो चुका है। आरबीआई के प्रयासों के बावजूद रुपया मिड-80 (85 के करीब) के स्तर से गिरकर डॉलर के मुकाबले 95.5 के स्तर तक पहुंच गया है। कमजोर रुपए की वजह से विदेशी निवेशकों का डॉलर-डिनॉमिनेटेड रिटर्न (डॉलर के टर्म में मुनाफा) सीधे तौर पर प्रभावित होता है।

सचिन जासूजा के मुताबिक, भारत अपनी जरूरत का 80% से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है, जिससे मुश्किलें और बढ़ गई हैं। 'स्ट्रैट ऑफ होर्मुज' के आसपास जारी तनाव और बाधाओं के कारण ब्रेंट क्रूड के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल की रेंज से उछलकर 95-105 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं। इससे भारत का इम्पोर्ट बिल और करंट अकाउंट डेफिसिट दोनों बढ़ गए हैं।

टॉप-10-कंपनियों में से 7 की वैल्यू ₹1.54 लाख करोड़ घटी

रिलायंस टॉप लूजर रही, वैल्यू ₹46,078 करोड़ कम हुई

मुंबई, एजेंसी

मार्केट कैप के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 1.54 लाख करोड़ रुपए घट गई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यू सबसे ज्यादा कम हुई है। रिलायंस की मार्केट वैल्यू 46,078 करोड़ घटकर 17.87 लाख करोड़ पर आ गई है। वहीं HDFC बैंक की मार्केट वैल्यू 33,333 करोड़ घटकर 11.46 लाख करोड़ रह गई है। इसके अलावा एयरटेल, TCS, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और ICICI बैंक की मार्केट वैल्यू भी घटी है। वहीं बीते हफ्ते लार्सन एंड टुब्रो, SBI और LIC की मार्केट वैल्यू बढ़ी है। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 639 (0.84%) अंक और निफ्टी 171 (0.72%) अंक गिरा था। वहीं बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार, 29 मई को

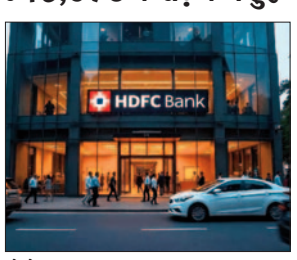

सेंसेक्स 1092 अंक गिरकर 74,775 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 359 अंक गिरकर 23,547 के स्तर पर बंद हुआ था। बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है। अगर TCS का मार्केट कैप 12.43 लाख करोड़ बढ़ता है, तो निवेशकों की संपत्ति बढ़ेगी, और कंपनी को भविष्य में निवेश के लिए ज्यादा पूंजी मिल सकती है। लेकिन मार्केट कैप गिरता है तो इसका नुकसान हो सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96